Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 185
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,03 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

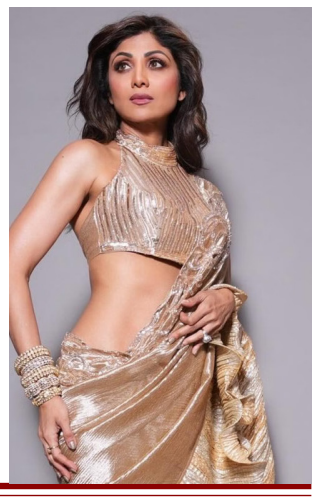

2 पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये माननीय रेल 4 दीवार पर तस्वीरें सजाने का सही तरीका क्या है? 7 मेरी डे वन से एआई..बहन शमिता के बर्थडे

योगी ने की केंद्रीय बजट की तरीफ,

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा नेशन फर्स्ट की भावना को दी प्राथमिकता

लखनऊ। केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने इस बजट में उत्तर प्रदेश के लिए व्यापक और दूरगामी प्रावधान किए हैं। उन्होंने बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने विकास की जो यात्रा तय की है, उसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश की प्रगति में निर्णायक योगदान दे रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जो सुदृढ़ नीतियों और सुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा नेशन फर्स्ट की भावना को प्राथमिकता दी है। अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों की बात करना भी उतना ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलिक अधिकारों की चर्चा तो होती है, लेकिन कर्तव्यों की उपेक्षा कर दी जाती है, जबकि हर भारतीय को अपने

कर्तव्यों का बोध कराना जरूरी है। वर्तमान बजट इसी सोच को मजबूती देता है। योगी ने कहा कि यह बजट समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। किसान, युवा, महिलाएं और गरीब वर्ग इस बजट के केंद्र में हैं। एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश के छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और उत्तर प्रदेश इससे सर्वाधिक लाभ उठाने वाला राज्य होगा। बजट में प्रस्तावित सात रेलवे कॉरिडोर में से दो कॉरिडोर उत्तर प्रदेश को मिले हैं। आने वाले समय में इससे राज्य को बेहतर कनेक्टिविटी, तेज रेल सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि का लाभ मिलेगा। साथ ही, अंतर्देशीय जलमार्गों (वॉटरवेज) के उपयोग से भी प्रदेश को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि ललितपुर में 1200 एकड़ भूमि पर बायोफार्मा सेक्टर को विकसित किया जा रहा है। ग्लोबल बायोफार्मा के लिए केंद्र सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया है। इसके अलावा भारत को डाटा सेंटर हब बनाने के लिए 22 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका सीधा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक ग्राम पंचायतें उत्तर प्रदेश में हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं को विभिन्न सेक्टरों में काम करने के अवसर मिल रहे हैं। केंद्र सरकार की योजना के तहत हर जनपद में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है। माघ मेले में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से यह स्पष्ट है कि थोड़े से प्रयास और बेहतर व्यवस्थाओं से हर धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल को बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

SIR पर चुनाव आयोग से मिलीं ममता:

बंगाल को बनाया जा रहा निशाना; आयुक्त को बताया अहंकारी और झूठा

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली में चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही एसआईआर मुद्दे पर तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में व्यापक मिसमैपिंग और असंगतियां सामने आई हैं, जिससे मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी हुई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले से बहुत दुखी हैं। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बंगाल को विशेष रूप से निशाना बनाया है और 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा मैं लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में शामिल हूं। मैं 4 बार मंत्री और 7 बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा अहंकारी और झूठ बोलने वाला चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उन्हें कहा कि मैं आपके पद का सम्मान करती हूं क्योंकि किसी भी पद की स्थायित्व नहीं होती। एक दिन आपको जाना होगा। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होने चाहिए, लेकिन इस तरह की कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सही योजना के बिना राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया लागू की, जबकि चुनावी राज्यों को छोड़ देना चाहिए था। ममता ने कहा अगर एसआईआर करनी थी, तो पहले चुनाव से बंधे राज्यों को छोड़कर सही योजना के साथ करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। असम में भाजपा की सरकार है, वहां एसआईआर नहीं की गई, लेकिन पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में इसे लागू किया गया। इसका परिणाम हमारे लिए बहुत भारी पड़ा। उन्होंने आगे कहा 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बहुत सारी गड़बड़ियां और मिसमैपिंग हुई है।

सार संक्षेप

कश्मीर घाटी में तड़के भूकंप के झटके, लोग घबराकर खुले स्थानों की ओर भागे

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में सोमवार तड़के 4.7 तीव्रता का भूकंप आया जिससे बारामूला जिले के पट्टन और आसपास के इलाकों में लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप तड़के पांच बजकर 35 मिनट पर 10 किलोमीटर की गहराई में आया और इसका केंद्र पट्टन क्षेत्र में था, जो पर्यटक स्थल गुलमर्ग से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है। भूकंप की तीव्रता पहले 4.6 बताई गई थी लेकिन बाद में बताया गया कि तीव्रता 4.7 थी। भूकंप के झटके करीब 20 सेकंड तक महसूस किए गए। कश्मीर घाटी एक अत्यंत सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा पिछले साल नवंबर में जारी राष्ट्रीय भूकंपीय जोखिम मानचित्र में कश्मीर समेत पूरे हिमालयी क्षेत्र को भूकंपीय जोन छह में रखा गया है। आठ अक्टूबर, 2005 को 7.6 तीव्रता के भूकंप ने नियंत्रण रेखा के दोनों ओर कश्मीर के बड़े हिस्सों को तबाह कर दिया था। इस भूकंप के कारण हजारों लोगों की मौत हुई थी और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा था।

पाकिस्तान में जन्मे दलितों को घर दें, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में रोकी अतिक्रमण हटाओ मुहिम

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान से आए दलितों की हालत पर गहीर चिंता जताई है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि पाकिस्तान से निर्वासित होकर आए दलितों को सिर्फ भारतीय नागरिकता दे देना ही काफी नहीं है। अदालत ने कहा कि सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे लोगों को रहने के लिए सम्मानजनक आवास की सुविधा उपलब्ध हो। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर रोक लगा दी है और सरकार से चार हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पाकिस्तान से आए हिंदू दलितों को लेकर यह टिप्पणी दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज के पास मजनूं का टिला इलाके में रहने वाले लोगों के विस्थापन की आशंकाओं के बीच की है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह कर रहे हैं। अदालत ने ऐसे निवासियों को लेकर कहा कि नागरिकता मिलने के बाद भी विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है।

संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस

प्रधानमंत्री मोदी 4 फरवरी को देंगे जवाब

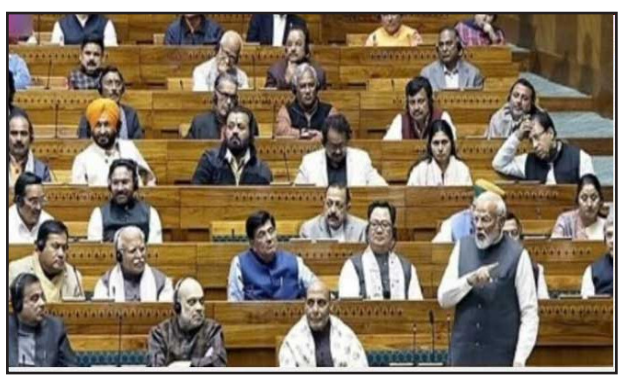

नई दिल्ली। संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे। सोमवार को शुरू हो रही मैराथन बहस की डिटेल्स शेयर करते हुए, उन्होंने कहा कि सबानंद सोनोवाल चर्चा शुरू करेंगे और इसमें आज भाजपा के पांच जाने-माने स्पीकर शामिल होंगे। उन्होंने लगातार नेगेटिव सोच रखने और यूनियन बजट के पॉजिटिव पहलुओं को मानने से इनकार करने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। रिजिजू ने कहा कि आज हमारे पास भाजपा के पांच स्पीकर हैं क्योंकि कुल चर्चा का समय 18 घंटे है जो तीन दिनों में फैला हुआ है। इसे ध्यान में रखते हुए, एनडीए को लगभग 55 प्रतिशत समय मिलेगा। प्रस्ताव सबानंद सोनोवाल पेश करेंगे और तेजस्वी सूर्या उसका समर्थन करेंगे। उसके बाद, विपक्ष के नेता बोलेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी 4 फरवरी की शाम को जवाब देंगे। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद यूनियन बजट पर विस्तार से बहस होगी। आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हैय इस पर चर्चा तीन दिनों के लिए 18 घंटे तक होनी है। उसके बाद, बजट पर चर्चा होगी। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए रिजिजू ने उस पर जानबूझकर बजट में बताई गई उपलब्धियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष बजट के पॉजिटिव पहलुओं को मानने को तैयार नहीं है। मैं इसे ठीक नहीं कर सकता। आज पूरी दुनिया भारत का बजट देख रही है। यह अब सिर्फ भारतीयों के लिए नहीं है, दुनिया भर के लोग भी भारत का बजट देखते हैं। मौजूदा सरकार के आर्थिक नजरिए की तुलना पिछली यूपीए सरकार से करते हुए रिजिजू ने कहा कि कैपिटल खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अगर आप इसकी तुलना यूपीए सरकार के समय से करें, तो कैपिटल खर्च में बहुत बड़ी बढ़ोतरी हुई है। अब यह लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपए है। उन्होंने कांग्रेस पर बजट को लेकर नेगेटिव सोच के साथ लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि बजट के बारे में कांग्रेस की सोच इतनी नेगेटिव है कि वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। दुनिया जानती है कि भारत आर्थिक रूप से तेजी से तरक्की कर रहा है। यह ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में झूठ बोला जाए। भारत की बढ़ती ग्लोबल आर्थिक हैसियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करना चाहती है। पहले हम मोबाइल फोन एक्सपोर्ट नहीं करते थे, लेकिन अब हम दूसरे लेवल पर तरक्की कर रहे हैं। ये वो बातें हैं जिन्हें विपक्ष देखने से मना कर रहा है।

राजधानी में कोहरे के साथ प्रदूषण की दस्तक, दिल्ली की हवा फिर बिगड़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तड़के पालम और सफदरजंग दोनों स्थानों पर दृश्यता घटकर 100 मीटर रह गई। दिल्ली में एक्यूआई 188 रहा जबकि 21 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता श्मध्यमश श्रेणी में थी और 16 केंद्रों पर यह खराब श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, तीन निगरानी केंद्रों का एक्यूआई डेटा तत्काल उपलब्ध नहीं था जबकि लोधी रोड केंद्र में एक्यूआई 116 दर्ज किया गया, जो सभी केंद्रों में सबसे कम था। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है। वायु गुणवत्ता पूर्व-चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता अगले दो दिनों तक खराब श्रेणी में रह सकती है जबकि अगले छह दिनों के लिए भी वायु गुणवत्ता के खराब श्रेणी में रहने का अनुमान है।

आईएमडी ने बताया कि सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक है जबकि पालम में न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रद्द किया जामिया के पूर्व कुलपति इकबाल हुसैन का निलंबन

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायाललय ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के पूर्व कुलपति प्रोफेसर इकबाल हुसैन के निलंबन को निरस्त करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ चलायी गयी अनुशासनात्मक कार्रवाई न तो उनके पक्ष में थी और न ही संस्थान के पक्ष में। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंड पीठ ने प्रोफेसर हुसैन की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें उनके निलंबन को चुनौती दी गयी थी। जेएमआई विश्वविद्यालय ने सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया कि उसने छह सितंबर 2024 के निलंबन आदेश को पहले ही वापस ले लिया है और इसके लिए 20 जनवरी 2026 को एक नया आदेश जारी किया गया था। न्यायालय ने इसी बात को रिकॉर्ड पर लेते हुए प्रोफेसर हुसैन को उनकी अकादमिक और शैक्षिक जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने की इजाजत दे दी। साथ ही न्यायालय ने यह निर्देश दिया कि जब तक अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी नहीं हो जाती, तब तक वे एस्टेट ऑफिसर के तौर पर काम नहीं करेंगे। न्यायालय ने कहा कि विभागीय जांच डेढ़ साल से ज्यादा समय से लंबित थी और माना कि इतनी लंबी जांच से बेवजह परेशानी होती है। इसलिए, पीठ ने विश्वविद्यालय को छह हफ्ते के अंदर जांच पूरी करने का निर्देश दिया। यह मामला जेएमआई की कार्यकारी परिषद के एक फैसले से जुड़ा है, जिसमें विधि संकाय के पूर्व डीन और सेवा न्यायशास्त्र के जाने-माने विशेषज्ञ प्रोफेसर हुसैन से विश्वविद्यालय के जमीन खरीदने के पहले अधिकार के बारे में राय देने को कहा गया था। प्रोफेसर हुसैन ने जमीन खरीदने के खिलाफ सलाह देते हुए सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को अपनी मौजूदा जमीन का सही इस्तेमाल करना चाहिए ।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व यूपी समेत 12 राज्यों के धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर जारी किया नोटिस, 4 हफ्ते में मांगा जवाब

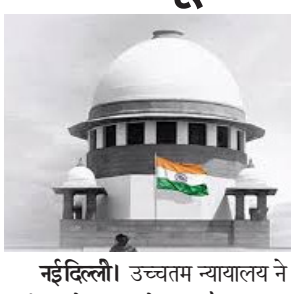

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेज इन इंडिया (एनसीसीआई) की नयी याचिका पर सोमवार को केंद्र के साथ-साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों को नोटिस जारी किया। एनसीसीआई द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा के जरिये दाखिल इस जनहित याचिका में धर्मांतरण रोधी कानूनों के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए केंद्र तथा 12 राज्य सरकारों से चार सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया। प्रधान न्यायाधीश ने नयी जनहित याचिका को इसी मामले में दाखिल अन्य याचिकाओं के साथ संबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार का पक्ष रखने के लिए पीठ के समक्ष उपस्थित हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्य के कानूनों को चुनौती देने वाली इसी तरह की याचिकाएं लंबित हैं। उन्होंने कहा, हमारा जवाब तैयार है और जल्द ही दाखिल किया जाएगा। अरोड़ा ने दलील दी कि ओडिशा और राजस्थान ने भी अपने अलग-अलग कानून बनाए हैं जिन्हें पूर्व में दाखिल याचिकाओं में चुनौती नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, अन्य अधिनियमों में भी संशोधन किया गया है जिन्हें चुनौती नहीं दी गई है। मैं सभी स्थायी अधिवक्ताओं को नोटिस देना चाहती हूं। पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा, नोटिस जारी करें। प्रत्येक नोटिस की एक प्रति राज्यों के महाधिवक्ताओं को भी भेजी जाए। केंद्र और 12 राज्यों की ओर से चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल किया जाए। प्रतिवादी एक संयुक्त जवाबी हलफनामा दाखिल करें। मामले के महत्व के मद्देनजर इसे तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष प्रस्तुत कियाजाए। ईसाई निकाय का पक्ष रखने के लिए पेश हुईं अरोड़ा ने दलील दी कि कुछ राज्य कानून ऐसे हैं जो तथाकथित धर्मांतरण के खिलाफ सतर्कता समूहों को शिकायत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, और इसलिए कई शिकायतें दर्ज की जा रही हैं।

मनरेगा परिवर्तनकारी कानून था, जी राम जी अधिनियम खामियों से भरा है : कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) एक परिवर्तनकारी कानून था, जबकि मोदी सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम खामियों से भरा हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पुरानी तस्वीर साझा कर दोनों कानूनों की तुलना की। यह तस्वीर आंध्र प्रदेश की एक महिला लाभार्थी को सबसे पहले मनरेगा जॉब कॉर्ड प्रदान किए जाने से संबंधित है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, आज से ठीक 20 साल पहले, मनरेगा को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के बदनापल्ली गांव में शुरू किया गया था। इन 20 वर्षों के दौरान, मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों (विशेष रूप से महिलाओं) को 180 करोड़ कार्य-दिवस प्रदान किए, अनुमानित 10 करोड़ सामुदायिक परिसंपत्तियां तैयार कीं, पलायन को काफी हद तक कम किया, ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाया और ग्रामीण गरीबों की ज्यादा मजदूरी के लिए मोलभाव करने की शक्ति को निर्णायक रूप से बढ़ाया है। उनका कहना है कि मनरेगा ने इसकी मजदूरी को सीधे बैंक और डाकघर खातों में जमा करने के लिए प्रत्यक्ष अंतरण पहल की भी शुरूआत की। पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा, मनरेगा एक मांग-आधारित कानूनी गारंटी अधिनियम था, सिर्फ एक प्रशासनिक वादा नहीं था।

राहुल गांधी ने लोकसभा में किया पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब का जिक्र, भड़के राजनाथ-अमित शाह, कार्यवाही बाधित

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में एक पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण के मसौदे के कुछ अंश पढ़ने का प्रयास किया, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने विरोध जताया और फिर सदन में सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक एवं हंगामा देखने को मिला। सदन में गतिरोध बने रहने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर सभा की बैठक अपराह्न तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस नेता से कई बार यह अपील की कि वह पुस्तक या किसी पत्रिका को सदन में उद्धृत नहीं कर सकते, हालांकि राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख का हवाला देते हुए चीन के साथ भारत के सैन्य तनाव का विषय उठाने का प्रयास किया और दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के चरित्र के बारे में भी बताया है। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। लोकसभा में गतिरोध के समय प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए अपने भाषण की शुरूआत में ही भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए पलटवार करने का प्रयास किया। उनका कहना था कि सूर्या ने कांग्रेस की देशभक्ति और चरित्र पर सवाल खड़े किए हैं, इसलिए वह एक पूर्व सेना प्रमुख के उस संस्मरण के अंश को पढ़ना चाहते हैं जो एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। उन्होंने जैसे ही इसे पढ़ने का प्रयास किया तो राजनाथ सिंह ने सवाल उठाया कि नेता प्रतिपक्ष को बताना चाहिए कि वह जिस पुस्तक का उल्लेख कर रहे हैं, वो प्रकाशित हुई है या नहीं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि सदन में पुस्तक और पत्रिका में प्रकाशित बातों को नहीं रखा जा सकता और नेता प्रतिपक्ष को व्यवस्था का पालन करना चाहिए। बिरला ने राहुल गांधी से कई बार कहा कि वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखें। जब राहुल गांधी इस संस्मरण के कुछ अंश सदन के पटल पर रखने पर अड़े रहे तो बिरला ने कहा, आप लगातार आसन की अवमानना कर रहे हैं... । राहुल गांधी ने कहा कि वह आसन को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि चीन के साथ भारत के रिश्ते के बारे में बात रखना चाहते हैं। सदन में लगातार गतिरोध बने रहने पर बिरला ने लोकसभा की बैठक अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर अराह्न तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर: आम बजट 2026-27 की प्रमुख विशेषतायें:

भारतीय रेल को पूँजीगत व्यय हेतु कुल रू. 2.78 लाख करोड़ आवंटित।

उत्तर प्रदेश को रिकॉर्ड रू. 20,012 करोड़ का आवंटन।

उत्तर प्रदेश में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा।

प्रदेश में रू. 92,000 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं।

उत्तर प्रदेश में 157 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य चल रहा है।

स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 02 उत्तर प्रदेश में हैं, यह परियोजना

दिल्ली-वाराणसी एवं वाराणसी-सिलीगुड़ी के लिये स्वीकृत।

बिहार को रिकॉर्ड रू. 10,379 करोड़ का आवंटन।

बिहार में रू. 1,09,158 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं।

स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 01 बिहार होकर गुजरेगी। यह परियोजना

वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना के लिये स्वीकृत।

बिहार में 14 जोड़ी वंदे भारत एवं 21 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचलन हो रहा है।

उत्तराखंड को रिकॉर्ड रू. 4,769 करोड़ का आवंटन।

उत्तराखंड में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा।

उत्तराखंड में रू. 39,491 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं।

उत्तराखंड में ऋषिकेश-रूद्रप्रयाग नई लाइन निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है।

उत्तराखंड में 03 जोड़ी वंदे भारत एवं 01 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचलन हो रहा है।

इस अवसर पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे सेवित उत्तर प्रदेश, बिहार एवं उत्तराखंड के लिये रिकॉर्ड बजट आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इज्जतनगर में ए.आई. बेस्ड एलीफेंट प्रोटेक्शन सिस्टम लगाया जायेगा, ताकि वन क्षेत्र में रेल संचलन के दौरान हाथियों का बचाव हो सके। बोरवणकर ने पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर नई लाइन, तीसरी लाइन, दोहरीकरण की अनेक परियोजनायें चल रही हैं।

नई लाइन निर्माण परियोजना-

-सहजनवा-दोहरीघाट (81.17 किमी.)- रू. 1,319 करोड़ की लागत से यह नई लाइन निर्माण परियोजना तीन चरणों में पूरी की जायेगी। प्रथम चरण में सहजनवा-बांसगांव (32.95 किमी.), दूसरे चरण में बांसगांव-बडहलगंज (36.80 किमी.) तथा तीसरे एवं अंतिम चरण में बडहलगंज-न्यू दोहरीघाट (11.42 किमी.) का कार्य किया जायेगा।

-खलीलाबाद-बांसी-डुमरियागंज-श्रावस्ती-बहराइच (240 किमी.)- रू. 4,939.78 करोड़ की लागत से स्वीकृत यह नई रेल लाइन परियोजना उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर सहित तराई क्षेत्र के आकांक्षी जिलों सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में अवस्थित है। यह परियोजना तीन चरणों में पूरी की जायेगी। प्रथम चरण में खलीलाबाद-बांसी (54.40 किमी.), द्वितीय चरण में बांसी-एकौना (119 किमी.) तथा तृतीय चरण में एकौना-बहराइच (66.60 किमी.) का कार्य पूर्ण किया जायेगा।

-आनन्दनगर-महराजगंज-घुघली (51.30 किमी.)- रू. 1,409.09 करोड़ की लागत से यह परियोजना दो चरणों में पूरी की जायेगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश महराजगंज जनपद में अवस्थित है। यह परियोजना दो चरणों में पूरी की जायेगी। प्रथम चरण में घुघली-महराजगंज (24.78 किमी.) तथा द्वितीय चरण में महराजगंज-आनन्दनगर (26.52 किमी.) का कार्य किया जायेगा।

-पनियहवा-छितौनी-तमकुही रोड (64.19 किमी.)- रू. 895 करोड़ की लागत से पडरौना जनपद में नई लाइन निर्माण का कार्य दो चरणों में किया है।

-पूर्वोत्तर रेलवे पर बाराबंकी-बुढ़वल (26.99 किमी.) तीसरी लाइन के कार्य को रू. 425.55 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

चौथी लाइन निर्माण परियोजना-

-बुढ़वल-गोंडा कचहरी (55.75 किमी.)- इस परियोजना को रू. 796.30 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

दोहरीकरण परियोजना-

-गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर (95.95 किमी.)- रू. 1,199 करोड़ की लागत से इस खंड के दोहरीकरण का कार्य 05 चरणों में पूर्ण किया जायेगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर एवं बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिलों में अवस्थित है।

-भटनी-औंड़िहार (116.95 किमी.)- रू. 1,177.96 करोड़ की लागत से इस खंड के दोहरीकरण के अन्तर्गत कौड़िहारापुर-इंदारा (14.7 से अयोध्या तक दोहरीलाइन को मंजूरी मिल गई।

गाड़ियों का संचलन- पूर्वोत्तर रेलवे पर 243 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस एवं 119 जोड़ी सवारी गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है तथा पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर 07 जोड़ी वंदे भारत एवं 09 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचलन किया जा रहा है।अमृत भारत स्टेशन योजना- इस योजना के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे पर कुल 58 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें 13 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। लखीमपुर, गुरसहायगंज, लखनऊ सिटी एवं खलीलाबाद स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। शेष का कार्य प्रगति पर है।

शंकराचार्य के बयान से नहीं बदल सकता संविधान, मंत्री ओपी राजभर का यूजीसी और पंचायत चुनाव पर बड़ा बयान

वाराणसी। कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव की पूरी तैयारी सरकार कर रही है। साथ ही मंत्री ने यूजीसी के नए नियमों से लेकर शंकराचार्य मामले के सवालों पर बड़ा बयान दिया। वाराणसी दौरे पर पहुंच कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को यूजीसी के नियमों को लेकर कहा कि अगर इस नियमावली में कोई गड़बड़ी

है तो सुप्रीम कोर्ट जाएं, जो जाना चाहता है, कोर्ट का दरवाजा सबके लिए खुला है। कहा कि शिक्षा में ओबीसी, एससी, एसटी के साथ पक्षपात होता है। इसकी लड़ाई हम लड़ेंगे। चुनाव की पूरी तैयारी कर रही सरकार राजभर ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कब होगा के सवाल पर कहा कि चुनाव की पूरी तैयारी सरकार कर रही है और मत पत्र छप कर सभी जिले में चल गए हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बयान पर कहा कि देश संविधान से चलता है और उनके बयान से इसे बदला नहीं जा सकता और किसी के कहने से कुछ नहीं होता। गौमाता को राज्यमाता के दर्जा देने के शंकराचार्य के बयान पर कहा कि कैबिनेट में जब आएगा तब देखा जाएगा। राजभर समाज को लेकर कही ये बड़ी बात सुहेलदेव की जयंती पर अनिल राजभर द्वारा ओमप्रकाश के समर्थकों को मंच से बोले जाने पर कहा कि पूरे देश में वोट बेचे जाने का दुकान कहां है, वो बता दें अगर माई के लाल हैं। राजभर समाज का नेता कौन है के सवाल पर कहा कि आज उंगली उठाने वाले लोग पहले लोहा की चोरी करते थे। 23 साल में जो ओमप्रकाश ने कर दिया आज तक किसी ने किया है क्या? जब हमने अपने बाप को बाप कहना शुरू किया तब लोगों का ध्यान गया सुहेलदेव महराज की ओर। राजभर ने कहा कि सपा पीडीए का नारा लगा रही है, पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। वहीं बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट जिन्होंने इस्तीफा देकर शंकराचार्य से मिलने को लेकर कहा कि ये ड्रामा था और राजनीति है। कहा कि हम राजभर हैं और राजभर सीना ठोक कर बोलता है।

SC-ST एक्ट के खिलाफ सात फरवरी से आंदोलन ' शंकराचार्य से आशीर्वाद लेकर अलंकार अग्निहोत्री का बड़ा एलान

वाराणसी। 6 फरवरी तक रउ/रळ एक्ट वापस लें, नहीं तो केंद्र सरकार को उखाड़ फेंका जाएगा। बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि रउ-रळ एक्ट के खिलाफ सात फरवरी से दिल्ली में आंदोलन होगा। बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने रविवार की

शाम केदारघाट स्थित विद्या मठ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की। शंकराचार्य का आशीर्वाद लेकर वह मीडिया से रूबरू हुए। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि यह मुलाकात राजनीतिक रणनीति का हिस्सा नहीं है बल्कि एक शुभ संयोग है। शंकराचार्य से मुलाकात कर सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इससे पूर्व प्रयागराज में शंकराचार्य ने आमंत्रित किया था लेकिन समयाभाव के चलते पहुंच नहीं सके। शंकराचार्य के काशी आगमन पर मुलाकात का अवसर मिला। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि काशी से व्यक्तिगत जुड़ाव है क्योंकि आईआईटी बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की है, इसलिए यहां आना भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। एससी एसटी एक्ट देश का सबसे बड़ा काला कानून, सात को घेरेंगे दिल्ली अलंकार अग्निहोत्री ने केंद्र सरकार की नीतियों, विशेष रूप से एससी-एसटी एक्ट और प्रस्तावित यूजीसी रेगुलेशन को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। कहा कि 1989 में लागू एससी-एसटी एक्ट देश का सबसे बड़ा काला कानून है। इस कानून के तहत दर्ज लगभग 95 प्रतिशत मामले फर्जी होते हैं, जिनके कारण समाज के बड़े वर्ग को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। 'केंद्र सरकार को 'चार्टर्ड प्लेन में बिठाकर गुजरात वापस भेज दिया जाएगा' अग्निहोत्री ने कहा कि हालांकि यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (वक्फ़) के नए दिशानिर्देशों पर रोक लगा दी गई है, लेकिन बड़ा मुद्दा रउ/रळ एक्ट को खत्म करना है, और कहा कि अगर इसे 6 फरवरी तक वापस नहीं लिया गया, तो केंद्र सरकार को उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने कहा कि 6 फरवरी आखिरी तारीख है। अगर तब तक रउ/रळ एक्ट खत्म नहीं किया गया, तो केंद्र सरकार को 'चार्टर्ड प्लेन में बिठाकर गुजरात वापस भेज दिया जाएगा। 'लड़ाई असल में कभी राज्य सरकार से नहीं थी' जब उनसे पूछा गया कि वह अब केंद्र सरकार को क्यों निशाना बना रहे हैं, जबकि शुरूआती झगड़ा राज्य सरकार से था, तो उन्होंने साफ किया कि लड़ाई असल में कभी राज्य सरकार से नहीं थी, बल्कि मुख्य रूप से केंद्र सरकार से थी। 'राज्य प्रशासन बहुत ज्यादा दबाव में काम कर रहा है' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश में उसके साथ भेदभाव कर रहे हैं, और दावा किया कि राज्य प्रशासन बहुत ज्यादा दबाव में काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पक्का करने के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं कि राज्य का सारा फंड गुजरात भेज दिया जाए। पद से इस्तीफा देने के बाद से सुर्खियों में अलंकार प्रयागराज में माघ मेले में शंकराचार्य के पवित्र स्नान को लेकर हुए विवाद के बीच अपने पद से इस्तीफा देने के बाद से वह सुर्खियों में हैं। अग्निहोत्री ने कहा कि ₹जब मैंने सनातन संस्कृति के प्रतीकों का अपमान होते देखा, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका और मैंने इस्तीफा दे दिया। 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ़ के नए रेगुलेशन, 2026 पर रोक लगाने के बाद बरेली के निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव से संबंधित प्रावधानों के संस्थागत दुरुपयोग की बात कही, और चेतावनी दी कि ऐसी प्रथाओं के गंभीर सामाजिक परिणाम हो सकते हैं, जिससे देश में आंतरिक अशांति भी फैल सकती है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि जाति-आधारित भेदभाव को कभी भी संस्थागत हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और इसे उचित शब्दावली और बातचीत तक ही सीमित रहना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

11वीं के लिये प्रवेश हेतु फॉर्म वितरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है

गोरखपुर, : एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्ड्री स्कूल, जटेपुर रेलवे कॉलोनी, गोरखपुर में नये सत्र 2026-27 हेतु कक्षा-06, 09 एवं 11वीं के लिये प्रवेश हेतु फॉर्म वितरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। यह प्रवेश फॉर्म 03 फरवरी से 13 मार्च, 2026 तक किसी भी कार्यदिवस में पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। सी.बी.एस.ई. बोर्ड से अंग्रेजी माध्यम के इस विद्यालय में योग्य शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा उच्चस्तरीय शिक्षा दी जाती है तथा विद्यालय के प्रत्येक वर्ग की निगरानी सी.सी.टी.वी. कैमरों द्वारा की जाती है। इस विद्यालय में भौतिक, रसायन एवं बायो-लैब, आधुनिक पुस्तकालय, रीडिंग रूम आदि की सुविधा उपलब्ध है।

2026 को व्यापारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित किया गया

गोरखपुर, : प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक, श्री राजेश कुमार की अध्यक्षता में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय,गोरखपुर के प्रगति कक्ष में 02 फरवरी,2026 को व्यापारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित किया गया। बैठक में प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री राजेश कुमार ने उपस्थित व्यापारियों से रेकों का टर्मिनल डिटेंशन कम करने पर चर्चा की तथा टर्मिनलों पर चौबीस घंटे में व्यापारियों से दो शिफ्ट में कार्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने व्यापारियों से माल लदान बढ़ाने की अपील की। व्यापारियों ने रेलवे प्रशासन से मालगोदामों में उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाने का आग्रह किया, जिस पर रेलवे ने अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने लोडिंग हेतु वैगनों को सफाई के उपरान्त ही लोडिंग के लिये उपलब्ध कराने की मांग रखी। उनके इस मांग पर भी रेलवे ने सकारात्मक रूख अपनाते हुये सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में व्यापारियों की ओर से हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के श्री रूपेश कुमार, सिडकुल कॉनकोर इन्फ्रा कम्पनी लिमिटेड, रूद्रपुर सिटी के श्री गुजरेज अख्तर, ऑटोमोबाइल टेन्डर्स हल्दी रोड से श्री दीपक मिश्र तथा भारतीय खाद्य निगम के श्री मुकेश कुमार सहित सीमेंट, नमक, खाद एवं कोयला के अन्य व्यापारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त अनेक अन्य व्यापारी भी ऑनलाइन माध्यम से बैठक में शामिल हुये।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 01 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 12 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 31 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 11062 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट के निगरानी के दौरान 14 वर्ष की एक लड़की एवं 06 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिले, जिन्हें रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त दोनों बच्चों को उनकी माँ के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 31 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आयी 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में बैठी मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 30 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 19038 के टी.टी.ई. द्वारा 15 वर्ष की एक लड़की को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को सौंपा गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन लखनऊ को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 31 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15566 में यात्रा कर रही एक महिला को प्रसव पीड़ा होने की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल महिला कर्मियों, राजकीय रेलवे पुलिस एवं चिकित्सकों के साथ अटेण्ड कर सुरक्षित प्रसव कराया गया तथा ईलाज हेतु महिला यात्री को एम्बुलेंस द्वारा सदर अस्पताल, सीवान भेजवाया गया। 01 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट औड़िहार को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15003 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे औड़िहार पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 29 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मऊ को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 65110 में यात्री का छूटा एक पिट्ठू बैग मिला, जिसे मऊ पोस्ट पर जमा कराया गया। 30 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया।

20 हजार की चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। परसरामपुर पुलिस ने शनिवार को 24 घंटे के भीतर ढाबे के काउंटर से 20 हजार रुपये चोरी करने के आरोपी सीतापुर जनपद के मडरेहटा थानाक्षेत्र के ग्राम प्रिया कोडर निवासी शोभित अवस्थी (35) को गिरफ्तार कर लिया। परसरामपुर के थानेदार ने बताया कि क्षेत्र के एक ढाबे पर शुक्रवार की रात को चोरी हुई थी। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी। इस दौरान पता चला कि आरोपी मड़ेरिया तिराहे के पास मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी आरोपी को दबोचा लिया। उसके पास से चोरी के 20 हजार रुपये भी बरामद हुए।

हंसिया से मारने पर प्राथमिकी दर्ज

कलवारी। थाना क्षेत्र के लोनहा गांव में हंसिया से मारने के मामले में पुलिस ने दो लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस को दिए गए तहरीर में रत्नाकर चौधरी निवासी लोनहा थाना कलवारी ने लिखा है कि शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे वह अपने जमीन में लगे तार को ठीक कर रहा था, उसी समय गांव की ही कलावती हाथ में हंसिया लेकर आईं और हाथ पर मार दिया। शोर सुनकर कलावती के पति नंदू यादव हाथ में डंडा लेकर आए और गाली देते हुए पीठ पर मारने लगे। थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच उप निरीक्षक दिनेश यादव को सौंपी गई है।

नहर की पुलिया के पास शव दफनाने की सूचना पर मचा हड़कंप

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के दुबौली-अकेला मार्ग के बीच रविवार की रात करीब आठ बजे नहर पुलिया के पास गड्ढा खोदकर संदिग्ध शव दफनाने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच-पड़ताल में जुट रही। मगर, रात नौ बजे तक गड्ढे की पुलिस ने खोदाई शुरू नहीं कराई थी। उधर, ग्रामीण शेषराम चौधरी, प्रकाश यादव, उमेश यादव, जगरनाथ, मनोज चौधरी, दिलीप कुमार व अंगद आदि ने गड्ढे की खोदाई की मांग पर अड़े रहे।

लॉयर्स एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री व अन्य पर जमीन हड़पने के आरोप में रिपोर्ट

कानपुर। पीड़ित किसान के बेटे की तहरीर पर पनकी थाने रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस आरोपों की जांच में जुटी। लॉयर्स एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, उनके तीन साथी व एक अज्ञात के खिलाफ रविवार को पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। सभी पर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने का आरोप लगा है। रिपोर्ट दर्ज कराने वाले युवक का आरोप है कि लॉयर्स के पूर्व पदाधिकारी ने उनके पिता की बीमारी का फायदा उठाकर जमीन धोखे से हड़प ली है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। पनकी के पतेहुरी गांव निवासी भगवान सिंह 85 वर्षीय किसान हैं। उनके बेटे जयपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार पिता भगवान सिंह मानसिक रूप से बीमार और चलने फिरने में असमर्थ हैं। उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि आराजी नं-19 व 128 पनकी मेन रोड पर स्थित है। इसकी कीमत करोड़ों में है। पिता की बीमारी का फायदा उठाकर नौबस्ता, आनंद विहार निवासी राघवेंद्र प्रताप सिंह,

जरौली फेज वन निवासी राम बहादुर सिंह, उसका बेटा अंकित सिंह, भानु प्रताप सिंह और एक अन्य ने दवाई कराने के बहाने बिना रुपये दिए धोखाधड़ी कर कूटरचित दस्तावेजों से जमीन लिखवा ली। आरोप है कि 22 अक्तूबर 2018 को आराजी नं-19 व 128 में से रकबा 0.341 हेक्टेयर और सात जुलाई 2020 को आराजी 128 में से रकबा 0.105 हेक्टेयर और दिनांक 28 अगस्त 2024 को आराजी नं-128 में से रकबा 0.2050 हेक्टेयर कूटरचित दस्तावेज बनवाकर हड़प लिए। कुछ दिनों पहले उन्हें इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई तो उन्होंने विरोध जताया। इस पर 26 दिसंबर 2025 को आरोपियों ने गालीगलौज कर किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर परिवार को मरवा देने की धमकी दी। बैनामे की चेक भी नहीं दी पीड़ित का आरोप है कि धोखाधड़ी से कराए गए बैनामों में लिखे चेक नंबर फर्जी हैं। कोई भी चेक उनके पिता को कभी नहीं दी गई। पीड़ित ने पिता के बैंक खातों का विवरण भी पुलिस को जांच के लिए सौंपा है। कहा कि उन्होंने खुद कभी किसी बैनामे में गवाही नहीं दी। बावजूद इसके दो बैनामों में उनकी फर्जी फोटो बतौर गवाह लगा दी गई। किसी अन्य को खड़ा कर उनके फर्जी हस्ताक्षर करवा लिए। कथित तीन बैनामों में लिखित जमीनों पर आरोपी पुलिस की सख्ती और उनके विरोध के चलते कब्जा नहीं किया जा सका। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि पूर्व महामंत्री समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दस्तावेजों की जांच की जा रही है। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार लोडर ने बाइक सवार पति-पत्नी को रौंदा मौत

कानपुर। यूपी के कानपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ। बेकाबू लोडर की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। चकेरी थाना क्षेत्र के मंगलाविहार अंडरपास के पास रविवार देर शाम जेठ के घर जा रहे बाइक सवार दंपति को तेज रफ्तार लोडर ने रौंद दिया। हादसे में जहां पति की मौके पर ही मौत हो गई वहीं पत्नी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया। 22 चकेरी चकेरी सनिगवां निवासी चंद्रपाल सिंह यादव (43) रूमा स्थित फैक्टरी में काम करते थे। बेटे आशीष ने बताया कि पिता मां अनीता देवी (40) के साथ रविवार देर शाम बर्रा के दामोदर नगर में रहने वाले अपने जेठ नवल किशोर के घर जा रहे थे। माता पिता मंगला विहार बड़ी पुलिया अंडरपास के पास पहुंचे ही थे कि तभी रामादेवी की ओर से जा रहे तेज रफ्तार लोडर ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। राहगीरों के शोर मचाने पर चालक पकड़े जाने के डर से दंपती को रौंदते हुए भागने लगा। इस दौरान चंद्रपाल की मौके कर ही मौत हो गई, जबकि अनीता को नाजुक हालत में कांशीराम अस्पताल भेजा गया। वहां से डॉक्टर ने हैलट रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान महिला ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि चालक लोडर छोड़कर भाग निकला है। परिजनों की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

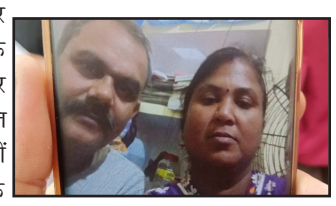

जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस पर पत्थर फेंकने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

बस्ती। पूर्वोत्तर रेलवे के टिनिच रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार की शाम को जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन पर किसी ने पत्थर फेंक दिया। पत्थर एस (3) कोच में यात्रा कर रहे एक यात्री के सिर में लग गया और वह चोटिल हो गया। गोंडा रेलवे स्टेशन पर रेल के डॉक्टरों ने उपचार किया। इस मामले में रेलवे कंट्रोल लखनऊ की सूचना पर आरपीएफ बस्ती ने रविवार को अज्ञात पर प्राथमिक दर्ज की है। बिहार राज्य के भागलपुर जंक्शन से चलकर गोरखपुर-बस्ती के रास्ते जाने वाली जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन के कोच संख्य एस (3) में बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के ग्राम मालासर थाना विधान के रहने वाले शंभू कुमार सुमन जम्मूतवी जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। ट्रेन को बस्ती रेलवे स्टेशन पर 2:59 बजे पहुंचने का समय है। शुक्रवार को लेट होने से यह ट्रेन शाम 3:35 बजे स्टेशन पर आई। स्टॉपेज के बाद ट्रेन गोंडा की तरफ जा रही थी

जिन्ना को जो दिया था वो सब ले लेंगे अनामिका अंबर की रचनाओं पर गूंजीं तालियां

वाराणसी। पिंडरा महोत्सव 2026 में कवयित्री अनामिका अंबर की रचनाओं ने पूरे माहौल को भक्ति और देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। इस दौरान उनकी प्रस्तुति के बीच तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। नेशनल इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित तीन दिवसीय पिंडरा महोत्सव 2026 का रविवार को समापन हुआ। उत्सव के अंतिम दिन कवयित्री अनामिका अंबर की रचनाओं ने पूरे माहौल को भक्ति और देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। मंच पर आते ही श्रोताओं ने उनसे यूपी में का बा की मांग की। इसे उन्होंने पूरे जोश के साथ प्रस्तुत किया। अपनी कविताओं से पाकिस्तान को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा, ठिकाने से रहना वरना सारे ठौर ले लेंगे, दिया था जो जिन्ना को वो सब ले लेंगे। इस पर पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जय श्रीराम के उद्घोष और सनातन संस्कृति पर आधारित उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खड़े होकर झूमने पर मजबूर कर दिया। महोत्सव के समापन समारोह में कविताओं के साथ संगीत का भी जादू चला। सुर संग्राम विजेता मोहन राठौर, गायिका निशा उपाध्याय, वीरेंद्र भारती और गोपाल राय जैसे नामचीन कलाकारों ने अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

इंटरमीडिएट के प्रैक्टिकल एग्जाम की बढ़ाई गई लास्ट डेट,स्कूलों के लिए जारी किया अल्टीमेटम

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर सोमवार को संशोधित आदेश जारी किया है। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने जिला विद्यालय निरीक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी कर 4 फरवरी तक इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं सम्पन्न कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक प्रथम चरण की प्रायोगिक परीक्षाएं पहले 24 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक निर्धारित थीं, लेकिन 1 फरवरी को कुछ विद्यालयों में परीक्षाएं शेष रहने के कारण अब इसकी अंतिम तिथि बढ़ाकर 4 फरवरी 2026 कर दी गई है। सचिव ने अपने आदेश में कहा है कि जनपद स्तर पर सभी संबंधित परीक्षा केंद्रों पर यह सुनिश्चित किया जाए कि विस्तारित अवधि के भीतर प्रत्येक दशा में इंटरमीडिएट की प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्ण करा ली जाएं। परिषद ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों, मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों, प्रधानाचार्यों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वय बनाकर समयसीमा के अंदर परीक्षाएं संपन्न कराएं।

अंचल में फिर बदला मौसम का मिजाज, ग्वालियर सहित कई क्षेत्रों में बारिश

■ ग्वालियर

रविवार को ग्वालियर सहित अंचल में चुनिंदा स्थानों पर बारिश दर्ज की गई है। अगले 24 घंटे के दौरान भी बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पांच फरवरी तक बादल छाए रहेंगे। इस दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग में कहीं बारिश तो कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

ग्वालियर में विगत 27 जनवरी को हुई तेज बारिश के बाद शनिवार को एक बार फिर बादलों ने दस्तक दी और रात एक से दो बजे के बीच रुक-रुककर बारिश होती रही। इस दौरान शहर में 1.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रविवार को भी बादल छाए रहे। हालांकि बादलों का घनत्व कम होने से हल्की धूप भी निकली। जिससे ठंड से कुछ राहत मिली। साथ ही तापमान में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार पिछले दिन की तुलना में आज अधिकतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान भी 2.2 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

आज से चार दिन बारिश की संभावना

मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के अनुसार इस समय पाकिस्तान के उत्तरी भाग में चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जो जम्मू-कश्मीर की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से दक्षिणी हरियाणा और उससे सटे उत्तरी राजस्थान में प्रेरित चक्रवात बना हुआ है। मध्य महाराष्ट्र से गुजरात होते हुए हरियाणा-राजस्थान में मौजूद चक्रवात तक द्रोणिका बनी हुई है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से नमी मिश्रित ठंडी हवा आ रही है। पांच फरवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से अगले चार दिन तक मौसम इसी प्रकार विपरीत बना रहेगा। इस दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा भी पड़ सकता है।

कहां-कितनी बारिश

रविवार को मुरैना में 17.0 मिलीमीटर, पोरसा में 15.0, सेंवढ़ा में 14.0, अंबाह में 6.0, कैलारस में 3.0, घाटीगांव में 2.2, डबरा में 2.0, भितरवार में 2.0, सबलगढ़ में 2.0, दतिया में 1.8, चीनौर में 1.3, ग्वालियर में 1.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

निगम के भुगतान पर कार्यपरिषद की विशेष बैठक आज

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय और नगर निगम के बीच विभिन्न करों के के भुगतान को लेकर चल रहे विवाद के समाधान के लिए सोमवार को कार्यपरिषद की विशेष बैठक बुलाई गई है। बैठक में नगर निगम को विभिन्न करों का कितना भुगतान करना है, इस पर चर्चा की जाएगी और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शनिवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा और निगमायुक्त संघ प्रिय के बीच बैठक हुई। इसके बाद करों की दोबारा गणना करने पर सहमति बन गई। नगर निगम ने जीवाजी विश्वविद्यालय पर लगभग 14 करोड़ रुपए के विभिन्न करों का बकाया निकाला है। बकाया जमा न करने पर जीवाजी विश्वविद्यालय में पीएम उषा के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्य भी रुकवा दिए थे। इसमें जीवाजी विश्वविद्यालय का कहना था कि करों की गणना व्यवसायिक उपक्रम मानकर की गई है जबकि विश्वविद्यालय व्यवसायिक उपक्रम नहीं है। रविवार को नगर निगम और जीवाजी विवि के अधिकारी करों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया में लगे रहे। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि करों के पुनर्निर्धारण पर भी सहमति बन गई है। अब इसे सोमवार को होने वाली कार्यपरिषद की विशेष बैठक में रखा जाएगा।

वार्ड 66 में 20 पानी टंकियों के स्थल चिन्हित

■ ग्वालियर

अमृत 2 योजना के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 66 में महत्वपूर्ण पहल की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर जल संकल्प, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा तथा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मार्गदर्शन से इस योजना को धरातल पर उतारने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। वार्ड 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर एवं भाजपा ग्वालियर ग्रामीण के जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर ने अमृत 2 योजना के अधिकारियों के साथ वार्ड का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वार्ड 66 में कुल 20 पानी की टंकियों के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थलों को चिन्हित किया गया। इन टंकियों के निर्माण से क्षेत्र के छोटे-छोटे गांवों, टोले-मजरों और बस्तियों तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

भ्रमण के दौरान गिर्राज सिंह गुर्जर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अंतिम छोर के व्यक्ति के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की मंशा है कि कोई भी परिवार शुद्ध पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित न रहे। अमृत 2 योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड 66 में प्रस्तावित पानी टंकियों के निर्माण के बाद जल संकट से काफी हद तक राहत मिलेगी और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा। इस अवसर पर नगर निगम की ओर से कार्यपालन यंत्री रामू शुक्ला, शलिनी सिंह, सतेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा-कांग्रेस ने संतजनों का सम्मान कर मनाई रविदास जयंती

विधायक सिकरवार ने किया 101 समाजसेवियों का सम्मान

■ ग्वालियर

महान संत, समाज सुधारक और भक्ति आंदोलन के प्रखर संत गुरु रविदास महाराज की जयंती शहर में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन, संगोष्ठी, पुष्पांजलि कार्यक्रम और सामाजिक विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। थाटीपुर स्थित संत रविदास आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने 101 वरिष्ठ समाजसेवियों का वस्त्र-श्रीफल भेंटकर एवं पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरूआत में विधायक डॉ. सिकरवार ने संत गुरू रविदास महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज ने समाज में फैली जात-पात और छुआछूत का कड़ा विरोध किया और समानता का संदेश दिया। मन चंगा तो कठौती में गंगा एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब उन्हें गंगा स्नान के लिए कहा, तो उन्होंने कहा कि यदि मन शुद्ध है, तो गंगा उनके काम करने वाले पात्र (कठौती) में ही हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज के लिए ईश्वर निराकार और हर इंसान के हृदय में बसते थे। उन्होंने राम, कृष्ण, गोविंद जैसे नामों से ईश्वर को याद किया। संत रविदास महाराज के पदों को सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया गया है। इस अवसर पर पार्षद गायत्री सुधीर मण्डेलिया, राकेश अग्रवाल, रामअवतार जाटव, गोपाल सिंह चौधरी, डॉ. लाल सिंह उच्चोडिया, रेखा जाटव, संदीप यादव, सूरतराम सैनी, ओंकार सरपंच, प्रीतम सिंह सनाढ्य, लक्ष्मण सिंह बैनर्जी, सुनील रमपुरिया, सतेन्द्र नागर, सुनील चंद्रवंशी, लाखन सिंह राजे, देवचन्द मास्टर, आशाराम चैकोटिया सहित क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

कांग्रेस नेताओं ने की पूजा-अर्चना

शहर जिला कांग्रेस ने संत रविदास जी की जयंती पर प्राचीन रविदास मंदिर, रविदास नगर, लक्ष्मण तलैया पर पूजा-अर्चना कर नमन किया। अध्यक्षता पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला ने की। प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, महेश मधुरिया, मुनेश निगम, सोनू भदौरिया, वीर सिंह तोमर, पूरन सिंह कुशवाह, भूपेन्द्र तोमर, अशोक तरेटिया, राजेश भदौरिया, अतुल जैन, संजीव दीक्षित, सोहिल खान, रचना कुशवाह, नाजिम खान, मुन्नालाल खरे, राकेश शर्मा, राकेश बाथम, बबलू तोमर, जितेन्द्र लोहिया, संजय माहौर आदि उपस्थित रहे।

हर व्यक्ति में निवास करते हैं भगवानः अम्बे

सर्वधर्म मानव उत्थान शिक्षा सेवा समिति के तत्वावधान में संत रविदास महाराज की जयंती महाराज बाड़ा पर आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि बसपा प्रदेशाध्यक्ष रमाकांत पिप्पल रहे, जबकि अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष नत्थाराम राजौरिया ने की। मुख्य वक्ता के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् के सदस्य डॉ. रवि अम्बे उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में अजाक्स के प्रांतीय संयुक्त सचिव होतम मौर्य, कवियत्री ज्योति दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव, पूर्व जिला न्यायाधीश आर.पी. कतरोलिया, जोन प्रभारी बृजेश मौर्य मंचासीन रहे। कार्यक्रम में फूलबाग गुरुद्वारा कमेटी के रागी जत्था एवं जसप्रीत सिंह द्वारा गुरुवाणी गायन प्रस्तुत किया गया। गेंदालाल, सरोज बौद्ध एवं रणवीर सिंह ने संतों व महापुरुषों के जीवन पर आधारित भजन-गीत प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता डॉ. रवि अम्बे ने कहा कि भगवान को बाहर खोजने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह प्रत्येक प्राणी में निवास करते हैं। उन्होंने जाति-धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता, प्रेम, भाईचारे और राष्ट्र निर्माण पर बल दिया। अतर सिंह जाटव ने संतों के मार्ग को समाज की प्रगति का आधार बताया। कार्यक्रम से पूर्व डॉ. पी. जाजू एवं डॉ. भारत वारसी की टीम द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें सैकड़ों मरीजों का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम का संचालन समिति के उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण जाटव ने किया तथा आभार सुभाषराव गौतम ने जताया।

गुरुवाणी का किया पाठ

संत शिरोमणी रविदास महाराज की जयंती जाटव समाज द्वारा संत कबीर आश्रम श्रीनगर गल्ला कोठार, भीमनगर थाटीपुर मुरार में श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिसमें गुरुद्वारा हजीरा ग्वालियर से आए जत्था द्वारा गुरुवाणी का पाठ किया गया। साथ ही लोकगीतों का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम उपरांत खीर प्रसाद का वितरण हुआ।

जात-पात और ऊंच-नीच का किया विरोध

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा महानगर द्वारा वार्ड 33 लक्ष्मण तलैया स्थित संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 649वीं जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया द्वारा संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संतजनों का सम्मान किया गया। श्री राजौरिया ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव का विरोध करते हुए सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी सुशासन के रूप में ऐसे राज्य की कामना करते थे, जहां कोई छोटा-बड़ा न हो, जहां प्रसन्नता पूर्वक सब जीवन यापन करें, सभी को अन्न प्रचुर मात्रा में मिले। मोर्चा के अध्यक्ष संतोष गोडयाले, पूर्व सभापति राकेश माहौर, विनय जैन, राजू पलैया, लवी खंडेलवाल, पार्षद सुरेंद्र चौहान, राजेंद्र महोबिया, आशु सिसोदिया, पोहप सिंह जाटव, सुनील नागले, नन्द किशोर माहौर, संजय राजे, अमृत लाल जाटव, रंजीत नरवारे, नरेंद्र खत्री, संजय भिलवार आदि उपस्थित रहे।

आमजन को सुविधा देना मेरी पहली प्राथमिकताः जोगा

ग्वालियर। आमजन को बेहतर सुविधा देना और इस पर काम करना मेरी पहली प्राथमिकता है। विभाग द्वारा जो भी कार्य किए जाएंगे, उसमें पूर्ण पारदर्शिता के साथ किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। यह बात स्वदेश से चर्चा करते हुए नव नियुक्त परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने कही। दूरभाष पर चर्चा करते हुए श्री जोगा ने कहा कि ट्रांसपोर्टर, बस ऑपरेटर्स सहित सभी की समस्याओं को हल करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में स्टाफ की कमी है, फिर भी हम बेहतर तरीके से कार्य करेंगे। विभाग में किसी प्रकार के लेट लतीफी से काम नहीं हो इस पर हमारी निगरानी रहेगी। सरकार को हम लक्ष्य के अनुरूप पूरा राजस्व दे सकें इस दिशा में भी तेज काम होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी मुझे ग्वालियर आने में कुछ दिन का समय लगेगा, क्योंकि उज्जैन में हमारे रिलीवर अभी नहीं आए हैं।

वीडियो जर्नलिस्ट राकेश झा का निधन

ग्वालियर। वरिष्ठ वीडियो जर्नलिस्ट राकेश झा का रविवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ महीनों से कैंसर से पीड़ित थे। 48 वर्षीय श्री झा ने कई इलेक्ट्रॉनिक चैनलों में काम किया। इस समय वह आजतक के लिए काम कर रहे थे। उनका मुंबई के टाटा मैमोरियल में इलाज चल रहा था। कुछ दिन पहले ग्वालियर आने पर उन्हें चांडक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर जेएएच के एक हजार बिस्तर अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा रात नौ बजे गिरवाई स्थित निवास से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पहुंची। अंतिम यात्रा में राजनेता, समाजसेवी, पत्रकार आदि शामिल रहे।

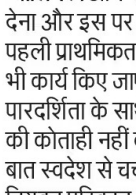

महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर देश का नाम रोशन करें: कुशवाह

135 जरूरतमंद महिलाओं को मिली आटा चक्की

■ ग्वालियर

सेवा पखवाड़ा एवं विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को लक्ष्मीगंज धर्मकांटे के सामने स्थित पुराने रेलवे स्टेशन, जीवाजीगंज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री नारायण सिंह कुशवाह द्वारा 135 जरूरतमंद महिलाओं को आटा चक्की मशीनें प्रदान की गईं। श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आत्मनिर्भर बनाकर नया भारत और समृद्ध मध्यप्रदेश बनाया जाए। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार, समाज और देश को मजबूत करें तथा नशे के खिलाफ भी जागरूकता फैलाएं। इसी तरह भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया एवं पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी ने इस पहल को महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, नगर निगम के पूर्व सभापति राकेश माहौर, रविन्द्र सिंह राजपूत, सतपाल सिंह जादौन, सुधीर गुप्ता, कौशलेन्द्र राजावत, अमर कुटे, संतोष गोडयाले, यामिनी परांडे, मोहित जाट, अंजलि पलैया, विनय जैन सहित अन्य उपस्थित रहे।

झगड़ा करने से रोकने पर गेस्ट हाउस पर चलाई गोलियां

दो आरोपी पकड़े, घटना सीसीटीवी मं कैद

■ ग्वालियर

शहर में गोली चलाने वाले बेखौफ हैं और मामूली से विवाद पर गोलियां चलाने से नहीं चूक रहे हैं। रविवार को आनंद नगर में गेस्ट हाउस पर बदमाशों ने गोलियां चलाकर दहशत फैला दी। गेस्ट हाउस के सामने झगड़ा करने से रोकने से गुस्साए बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया है जबकि साथियों की तलाश की जा रही है।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर में एचआरसी गेस्ट हाउस का इन दिनों मोनू धाकड़ निवासी करैरा संचालन कर रहा है। रात को गेस्ट हाउस के सामने चार युवक आपस में गाली गलौच कर झगड़ा कर रहे थे। जब मोनू ने झगड़ा कर रहे युवकों को झगड़ा करने से रोका तो वह मोनू से ही विवाद करने लगे। मोनू ने युवकों की मारपीट कर दी। मारपीट करने से गुस्साए युवक थोड़ी देर में लौटकर आने कही धमकी देकर मौके से चले गए। रात को युवक अपने साथियों के साथ गेस्ट हाउस पर लौटकर आए और उन्होंने निशाना बनाकर गोलियां चला दीं। गेस्ट हाउस पर गोलियां चलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मोनू ने बदमाशों द्वारा गोलियां चलाने की सूचना पुलिस को दी। गोली चलाने वालों की पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर शिवम शर्मा, दिनेश तोमर अनुज और बलराम के रूप में की। रविवार को सोशल मीडिया पर गोली चलाने का वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने फरियादी मोनू की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो आरोपी दिनेश और शिवम शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे चलाई गोलियां

घटना के दौरान दो मोटर साइकिल से पांच बदमाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने गेस्ट हाउस के सामने ही कट्टे लोड किए और गोलियां चला दीं। इस दौरान बदमाश मोनू को धमकी देकर बाहर बुला रहे थे। गेस्ट हाउस की दीवार में गोलियां धंस गई हैं। एक मिनट तक बदमाश मौके पर खड़े होकर गोलियां चलाते रहे।

इनका कहना है

गेस्ट हाउस के सामने झगड़ा करने से रोकने पर गोलियां चला दी थीं। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो अन्य की तलाश शुरु कर दी है।

आलोक सिंह परिहार
बहोड़ापुर थाना प्रभारी

फिल्म गोमाता गोदान गोमाता के पोस्टर का विमोचन

■ ग्वालियर

मुंशी प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास गोदान से प्रेरित, वर्तमान समय में गौ माता की स्थिति, समस्याओं और सामाजिक आवश्यकता को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने वाली फिल्म गोमाता गोदान गोमाता के पोस्टर का विमोचन आदर्श गौशाला लालटिपारा में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम स्वामी ऋषभ देवानंद एवं स्वामी शिवेशानंद के सानिध्य में आयोजित किया गया, जहां गौ-संवेदना, भारतीय संस्कृति और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए गए।

कार्यक्रम में बताया गया कि इस फिल्म के पोस्टर का विमोचन पूर्व में मुख्यमंत्री मोहन यादव तथा उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी किया जा चुका है, जिससे फिल्म को राष्ट्रव्यापी नैतिक एवं सामाजिक समर्थन प्राप्त हुआ है। यह फिल्म आगामी 6 फरवरी को सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के निर्माता विनोद कुमार चौधरी हैं। फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ गौ-संरक्षण, ग्रामीण चेतना और मानवीय संवेदना को जागृत करने का सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि कई राज्य सरकारों द्वारा फिल्म को टैक्स-फ्री घोषित किया गया है, ताकि इसका संदेश जन-जन तक पहुंचे। कार्यक्रम में राजीव सिंह सिकरवार, भानुप्रताप सिंह तोमर, वृन्दावन शर्मा, ध्यानेन्द्र सिकरवार, वरुण राज चौधरी तथा डॉ. मधुसूदन शर्मा उपस्थित रहे, जिन्होंने फिल्म का एक शो प्रदर्शित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वामी ऋषभ देवानंद महाराज ने फिल्म को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार का आह्वान किया।

ढाई हजार झोलाछाप अब भी सक्रिय, स्वास्थ्य विभाग की सख्ती सवालों के घेरे में

तीन दिन में 13 क्लीनिक सील, फिर ठंडे बस्ते में कार्रवाई

■ ग्वालियर

जिले में बिना पंजीकृत क्लीनिकों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू की गई कार्रवाई एक बार फिर दम तोड़ती नजर आ रही है। बीते दिनों महज तीन दिनों में 13 अवैध क्लीनिकों को सील कर विभाग ने सख्ती का संदेश देने की कोशिश की थी, लेकिन इसके बाद अचानक कार्रवाई ठप हो गई है।

जानकारी के अनुसार जिले भर में लंबे समय से बिना पंजीकरण चल रहे क्लीनिकों पर झोलाछाप चिकित्सक मरीजों के स्वास्थ्य से खुलेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब पांच दिन पहले अभियान चलाते हुए लगातार तीन दिनों तक छापेमार कार्रवाई की थी। इस दौरान शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 13 अवैध क्लीनिकों को सील किया गया था। कार्रवाई के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कई झोलाछाप चिकित्सक केवल 12वीं पास पाए गए, जबकि कुछ एएनएम और जीएनएम डिग्रीधारी बिना किसी वैध अनुमति के एलोपैथी पद्धति से मरीजों का उपचार करते मिले। न तो इनके पास चिकित्सकीय पंजीयन था और न ही इलाज से जुड़ा कोई अधिकृत दस्तावेज। हालांकि शुरुआती सख्ती के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई अचानक रुक गई। जिले में वर्तमान में ढाई हजार से अधिक झोलाछाप चिकित्सक सक्रिय हैं, जो ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों तक धड़ल्ले से क्लीनिक चला रहे हैं। इन अवैध क्लीनिकों में न तो इलाज के मानक हैं और न ही मरीजों की सुरक्षा की कोई गारंटी। चिंताजनक बात यह है कि कई मामलों में झोलाछाप चिकित्सकों के गलत उपचार से मरीजों की मौत तक हो चुकी है। ऐसे कई मामलों की शिकायतें स्वास्थ्य विभाग तक पहुंच चुकी हैं, बावजूद इसके कार्रवाई में निरंतरता नहीं दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ सख्त और सतत अभियान नहीं चलाया गया, तो आमजन का स्वास्थ्य गंभीर खतरे में पड़ सकता है। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई अचानक क्यों थम गई?

ग्राम गोठवा की जमीन शासकीय दर्ज करने के आदेश

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के राजस्व मंडल ने प्र.क्र.निगरानी 1171 / 2005 गुमनिया पुत्री मनुआ कोरी एवं अन्य विरुद्ध राजकुमार पुत्र प्यारेलाल जैन के मामले में ग्राम गोठवा के सर्वे 520 रकवा 3 बीघा 5 विस्वा की प्रश्नाधीन भूमि को राजस्व मंडल ने अपनी विवेचना के आधार पर निगरानीकर्ता की निगरानी निरस्त कर दी। साथ ही तहसीलदार को यह निर्देश जारी किए हैं कि 28 फरवरी 2025 तक प्रश्नाधीन भूमि शासन के नाम दर्ज कर कब्जा प्राप्त करने की कार्यवाही करें। यह आदेश मध्यप्रदेश राजस्व मंडल के अध्यक्ष अनिरुद्ध मुकर्जी एवं सदस्य ललित कुमार दाहिमा ने दिए हैं, राजस्व मंडल में यह निगरानी अपर आयुक्त ग्वालियर के 29 जून 2005 के आदेश के विरुद्ध निगरानीकर्ता ने पेश की थी। पटवारी ने वर्ष 1974-75 में बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश के जरिए बेवा गनुआ कोरी का नामान्तरण कर दिया। आवेदिका के द्वारा गनुआ के वारिसान का नामान्तरण उनके हिस्से के अनुसार करके पटवारी अभिलेख में इन्द्राज करने का निवेदन किया। तहसील न्यायालय द्वारा आवश्यक जांच के बाद मृतक गनुआ के वारिसान का नामांतरण करने का आदेश पारित किया गया जिसके विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी पिछोर के न्यायालय में अपील की गई कि जो उनके आदेश दिनांक 19 दिसंबर 2003 द्वारा निरस्त हुई। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश के विरुद्ध द्वितीय अपील अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर को की गई थी जो 29 जून 2005 को निरस्त हुई। इसके बाद निगरानीकर्ता ने राजस्व मंडल में अपील की।

संपादकीय

बजट-2026: रोना हॅसना दोनों मना कार्टून

बजट को लेकर वैसे भी आम आदमी की सोच केवल मंहगाई और बेरोजगारी रोकने तक टिकी रहती है। जबकि पक्ष और विपक्ष हमेशा की तरह बजट अपना राग अलापता नजर आया। सरकारी नौकरी पेशा, व्यापारी, उद्योगपति और अन्य संवर्ग हमेशा बजट को लेकर अपने हानि लाभ के हिसाब से चर्चा, प्रतिक्रिया देते रहे है। यही बॉत 2026 के केन्द्रीय आम बजट को लेकर सामने आ रही है। विपक्ष और सरकारी सेवकों के नेतृत्व ने जहॉ आम बजट 2026 को एक सिरे से अलाभकारी, आदूदर्शी बताया है वही सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं, केन्द्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों ने जहॉ जमकर आम बजट की सराहना करते हुए इसे दूरगामी लाभकारी बताया है। बहरहाल आम जनता जो दो जून के लिए रोजी रोटी के लिए संघर्ष कर रही है उसके लिए बजट ना रोने जैसा है औ न ही हॅसने जैसा है। बजट में नशें पर भारी टैक्स लादकर बड़ा प्रहार किया गया है। लेकिन इसका फायदा एक बार फिर इस व्यापार को चलाने वाले दिग्गजों के खाते में दर्ज होगा। वैसे सरल शब्दों में कहे तो बजट एक ऐसा प्रयास है जो पारंपरिक राह से ज्यादा भटकता नहीं है, बुनियादी बातों पर कायम रहता है और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लक्ष्यों के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखता है। बहरहाल इसे एक निराशाजनक प्रयास कहा जा सकता है। बाजारों से पूछें तो वे इसे और भी बुरा कहेंगे, खासकर शेयरों में आई भारी गिरावट को देखते हुए, जो केंद्रीय बजट पेश होने के बाद पिछले छह वर्षों में देखी गई सबसे बड़ी गिरावट थी। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर केन्द्रीय बजट में सरकार की कोई स्पष्ट मंशा सामने नही आई है। अगर बजट की बारीकियॉ आम जनता को समझान में सत्तारूढ़ पार्टी समझाने में असफल रही तो इसका फायदा आगामी चुनावों में विपक्ष को मिले ऐसी सम्भावनाओं को नकारा नही जा सकता। वैसे तो इस बजट से अलग-अलग सेक्टर से जुड़े देश के नागरिकों की ढेरों उम्मीदें जुड़ी हुई थीं। खासतौर से टैक्स पेयर्स को टैक्स स्लैब में कुछ नए बदलाव और कुछ नई छूट की आशा निराशा में तब्दील कर दी गई। हालांकि कुछ सेक्टर्स में कुछ बड़ी रियायत दिए जाने की घोषणा की गई है। बजट में बड़े और दीर्घकालिक सुधार पर सरकार गति को बनाए रखने के संकेत दिये गए है। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए बॉयोफार्मा शक्ति योजना के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली ऑरेंज इकॉनोमी को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी का बजट है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं, किसानों, निवेशकों का जिक्र करते हुए दावा किया कि ये बजट भारत के असली संकटों से अनजान है। राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। यही नही इस बजट से मिडिल क्लास को खासी उम्मीदें थीं. आयकर में छूट और महंगाई पर काबू जैसे ऐलान के इंतजार कर रहे थे। सीनियर सिटीजन को भी रेल किराये में छूट समेत की उम्मीदें थीं। लेकिन वित्त मंत्री आम आदमी से जुड़े मुद्दों से किनारा करते हुए सरकार के मिशन 2047 पर तथस्थ दिखाई पड़ी। कुल मिलाकर यह बजट मीडिल क्लास, बेरोजगार और कम आय वर्ग के लिए रोना और हॅसना मना जैसे वाक्य का पर्याय साबित हुआ है।

वास्तविक चिंताओं से कटा बजट

> लेकिन जैसे नरेन्द्र मोदी आज की बात न कर या तो हजार साल पहले की बात करते हैं या आने वाले सौ साल में देश कहां हो सकता है, इसके सपने दिखाते हैं। तो बजट में भी ऐसे ही दूर के सपने दिखाए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपए के बायोफार्मा शक्ति प्रोग्राम से लेकर इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सेमी कंडक्टर की महत्वाकांक्षाओं का विस्तार, 40,000 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स स्कीम, और कई सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव जैसी बातें निर्मला सीतारमण के भाषण में छाई रहीं। लेकिन ग्रामीण भारत के मजदूर-किसान, बेरोजगार युवा, छोटे और मध्यम कारोबारी, गृहणियां जिन रोजमर्रा के संकटों से दो-चार होती हैं, उस पर बजट लगभग खामोश रहा। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी कानून लाकर उसके प्रचार के लिए विज्ञापन पर भारी खर्च कर रही है। लेकिन बजट भाषण में इस बारे में चुप्पी बता रही है।

मोदी सरकार ने एक बार एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें आम जनता के लिए कुछ नहीं है, जबकि धनपतियों के लिए पूरा मौका है कि वे अपनी तिजोरी का धन दोगुना-चौगुना कर लें। अमेरिका की तरफ से पड़ी टैरिफ की मार और बदलते भू राजनैतिक समीकरणों के बीच मोदी सरकार के पास बजट के रूप में एक अच्छा मौका था, जब वह आम आदमी की चिंता को सीधे संबोधित करती और उसकी रोजमर्रा की समस्याओं का हल पेश करती। लेकिन जैसे नरेन्द्र मोदी आज की बात न कर या तो हजार साल पहले की बात करते हैं या आने वाले सौ साल में देश कहां हो सकता है, इसके सपने दिखाते हैं। तो बजट में भी ऐसे ही दूर के सपने दिखाए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपए के बायोफार्मा शक्ति प्रोग्राम से लेकर इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सेमी कंडक्टर की महत्वाकांक्षाओं का विस्तार, 40,000 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स स्कीम, और कई सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव जैसी बातें निर्मला सीतारमण के भाषण में छाई रहीं। लेकिन ग्रामीण भारत के मजदूर-किसान, बेरोजगार युवा, छोटे और मध्यम कारोबारी, गृहणियां जिन रोजमर्रा के संकटों से दो-चार होती हैं, उस पर बजट लगभग खामोश रहा। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी कानून लाकर उसके प्रचार के लिए विज्ञापन पर भारी खर्च कर रही है। लेकिन बजट भाषण में इस बारे में चुप्पी बता रही है कि ग्रामीण भारत से मोदी सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। खेती-बाड़ी पर विविधकरण और नारियल, कोको, चंदन और मेवे जैसी श्उच्च मूल्य वाली फसलोंश पर बजट भाषण में बात हुई। इससे संपन्न व्यावसायिक किसानों को तो फायदा हो सकता है, लेकिन उन अनाज किसानों के लिए सीधे तौर पर किसी मदद की बात नहीं की गई जो भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य, खेती में बढ़ती लागत या फसलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे मुद्दों का भाषण में कोई जिक्र नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि यह

बजट देश की समस्याओं से आंख मूंदने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा कि देश में युवा बेरोजगार हैं, उत्पादन गिर रहा है, निवेशक पूंजी बाहर निकाल रहे हैं, घरेलू बचत तेजी से घट रही है और किसान संकट में हैं। वैश्विक स्तर पर आने वाले झटकों का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन बजट इन सभी मुद्दों को नजरअंदाज करता है और आंखें मूंदने वाला है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बजट है जो सुधार से इनकार करता है और भारत के असली संकटों के प्रति अंधा बना हुआ है। हकीकत यही है कि इस बजट में देश में अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ चुकी आर्थिक असमानता पर कोई चिंता नहीं व्यक्त की गई है और न ही एससी, एसटी, ओबीसी, कमजोर आर्थिक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता दी गई है। मोदी सरकार हर साल नए तरह के सपने बजट में दिखाती है और पिछले सपनों को भूल जाती है। जैसे अब मेक इन इंडिया पर कोई बात नहीं होती। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में कितना घोटाला हुआ, यह हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पता चलता है। महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली सरकार के बजट में न महिलाओं के लिए कोई बड़ी पहल है, न इस बात की चिंता कि रोजगार में महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़ाई जाए। बजट में रुपए की गिरती कीमत, महंगाई, या टैरिफ के कारण हो रहे व्यापार घाटे की भी कोई चिंता नहीं है। मोदी सरकार का मकसद हर तरह से चुनावी राज्यों को साधना होता है, पिछले साल बिहार पर सारा फोकस था, इस बार तमिलनाडु, केरल आदि पर फोकस है। प्रसंगवश बता दें कि निर्मला सीतारमण ने, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी पहनकर ही बजट पढ़ा, पिछली बार उन्होंने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी थी। इस बार के बजट में निर्मला सीतारमण ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा है। सरकारी भाषा में यह आत्मनिर्भर भारत और चीन पर निर्भरता कम करने का बड़ा कदम बताया जा रहा है। बता दें कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स 17 खास तरह के खनिज हैं जो आज की हाई-टेक दुनिया में बेहद जरूरी हैं। इनसे बने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स यानी आरईपीएम इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होते हैं। इन मैग्नेट्स का ज्यादातर उत्पादन और प्रोसेसिंग चीन के हाथ में है। जबकि भारत इन्हें ज्यादातर आयात करता है। ऐसे में रेयर अर्थ कॉरिडोर सुनने में तो अच्छा प्रस्ताव दिखता है, लेकिन इसके साथ जो पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हैं, क्या सरकार उन पर ध्यान देगी। बता दें कि भारत में रेयर अर्थ का मुख्य स्त्रोत बीच सैंड मिनरल्स यानी बीएसएम है। इसमें मोनाजाइट नाम का खनिज होता है, जिसमें रेयर अर्थ के साथ यूरेनियम और थोरियम भी होते हैं। देश में ये खनिज केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर बहुत ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। शायद इसीलिए इन्हीं राज्यों को चुना गया है। लेकिन बीच सैंड मिनरल्स खनन से समुद्र तटों का कटाव होता है, समुद्री जीवन बर्बाद होता है, रेडियोएक्टिव थोरियम और यूरेनियम निकलते हैं जो कैंसर जैसी बीमारियां फैला सकते हैं। केरल और तमिलनाडु में पहले से ही इलाकों में लोगों ने इसका विरोध किया है। ओडिशा में भी पर्यावरणविद् चेतावनी देते रहे हैं। सरकार कहती है कि सख्त नियम होंगे, लेकिन देश में खनन माफिया का जो आतंक है, क्या वो पहले से ज्यादा बढ़ नहीं जाएगा। रेयर अर्थ कॉरिडोर में बड़े-बड़े प्लांट लगेंगे, जिससे मछुआरों, किसानों और स्थानीय समुदायों की जमीन और आजीविका छिन सकती है। पिछले कई सालों में भारत में खनन प्रोजेक्ट्स से विस्थापन और पुनर्वास की समस्या रही है। क्या सरकार स्थानीय लोगों को रोजगार और फायदा सुनिश्चित करेगी, या सिर्फ बड़ी कंपनियां मुनाफा कमाएंगी, ये भी गंभीर सवाल है। केंद्रीय बजट 2026-27 में जिस तरह ग्रामीण रोजगार की अनदेखी की गई है, उससे भी चिंता बढ़ती है। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जी राम जी कानून तो ले आई है, जिसमें केंद्र सरकार ज्यादातर राज्यों में इस योजना का लगभग 60 प्रतिशत खर्च उठाएगी, और बाकी खर्च राज्य सरकारें देंगी। लेकिन बजट में इस मद में 65.9 प्रतिशत की कटौती गई है, जो इस खर्च बंटवारे से कहीं ज्यादा है। मनरेगा के लिए 2025-26 के लिए संशोधित अनुमान रुपए 88,000 करोड़ था। इसके उलट 2026-27 के बजट अनुमान में यह आंकड़ा घटाकर 30,000 करोड़ कर दिया गया है, जो 58,000 करोड़ या लगभग 66 प्रतिशत की कटौती है। इससे गंभीर सवाल उठता है कि क्या वी बी जीरामजी कानून के बताए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मोदी सरकार ने पर्याप्त संसाधन रखे हैं या फिर कांग्रेस की चिंताएं वास्तविक है कि गांव के गरीबों को मिलने वाली मामूली मजदूरी पर भी उद्योगपतियों का डाका पड़ चुका है? गरीब-गरीब की माला जपते हुए नरेन्द्र मोदी हर बार उद्योगपतियों का ही हित साधते हैं, तभी 5 किलो मुफ्त अनाज लेने की नौबत देश में बनी हुई है।

मदर ऑफ ऑल डील्स को कैसे प्रभावी बनाए सरकार

> भारत ने यूरोपीय संघ को 102 सेवा उप-क्षेत्रों में पहुंच प्रदान की है, जबकि यूरोपीय संघ ने भारत को 144 उप-क्षेत्रों में अवसर दिए हैं, जिनमें वित्तीय, समुद्री और दूरसंचार सेवाएं शामिल हैं। अनुमान है कि यह समझौता 2032 तक यूरोपीय संघ के भारत में निर्यात को दोगुना कर देगा। साथ ही, यह अमरीकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा, जहां भारत के श्रम-गहन निर्यात प्रभावित हो रहे हैं। माना जा रहा है कि यह समझौता आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया योजनाओं के साथ तालमेल बैठाता है। यह न केवल निर्यात को बढ़ाएगा, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेश और रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करेगा। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के साथ समझौता भारतीय एम.एस.एम.ई. को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने का अवसर देगा। हालांकि, इसके लाभों को अधिकतम करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफैसर अरुण कुमार की चेतावनियां प्रासंगिक हैं। प्रोफैसर कुमार, जो काले धन और आर्थिक नीतियों के विशेषज्ञ हैं, ने भारत-यूरोपीय संघ एफ.टी.ए. को अमरीका जैसा एक और जाल बताया है। उन्होंने असमान शर्तों, घरेलू उद्योगों विशेषकर कृषि और डेयरी पर जोखिम, व्यापार घाटे में वृद्धि, नीति स्थान की हानि और दीर्घकालिक आर्थिक निर्भरता की चेतावनी दी है। उन्होंने अमरीकी व्यापार समझौतों से सबक लेने की सलाह दी है, जहां कृषि बाजार खोलने की मांग भारत के लिए कठिन है।

विनीत नारायण

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता, जिसे मदर ऑफ ऑल डील्स के रूप में जाना जा रहा है, लगभग 2 दशकों की लंबी वार्ताओं का परिणाम है और इसमें 2 अरब से अधिक की आबादी तथा 27 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था शामिल है, जो वैश्विक जी.डी.पी. का लगभग 25 प्रतिशत है। यह समझौता भारत की आध्थक महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर प्रदान करता है, विशेषकर ऐसे समय में, जब अमरीकी टैरिफ के कारण निर्यात प्रभावित हो रहा है। हालांकि, इसे प्रभावी बनाने के लिए सरकार को रणनीतिक कदम उठाने होंगे। इस समझौते के तहत यूरोपीय संघ भारत में निर्यात होने वाले 96.6 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ को समाप्त या कम करेगा, जिससे यूरोपीय कंपनियों को सालाना लगभग 4 बिलियन यूरो (लगभग 4.7 बिलियन डॉलर) की बचत होगी। भारत ने यूरोपीय संघ को 102 सेवा उप-क्षेत्रों में पहुंच प्रदान की है, जबकि यूरोपीय संघ ने भारत को 144 उप-क्षेत्रों में अवसर दिए हैं, जिनमें वित्तीय, समुद्री और दूरसंचार सेवाएं शामिल हैं। अनुमान है कि यह समझौता 2032 तक यूरोपीय संघ के भारत में निर्यात को दोगुना कर देगा। साथ ही, यह अमरीकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा, जहां भारत के श्रम-गहन निर्यात प्रभावित हो रहे हैं। माना जा रहा है कि यह समझौता आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया योजनाओं के साथ तालमेल बैठाता है। यह न केवल निर्यात को बढ़ाएगा, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेश और रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करेगा। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के साथ समझौता भारतीय एम.एस.एम.ई. को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने का अवसर देगा। हालांकि, इसके लाभों को अधिकतम करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफैसर अरुण कुमार की चेतावनियां प्रासंगिक हैं। प्रोफैसर कुमार, जो काले धन और आर्थिक नीतियों के विशेषज्ञ हैं, ने भारत-यूरोपीय संघ एफ.टी.ए. को अमरीका जैसा एक और जाल बताया है। उन्होंने असमान शर्तों, घरेलू उद्योगों विशेषकर कृषि और डेयरी पर जोखिम, व्यापार घाटे में वृद्धि, नीति स्थान की हानि और दीर्घकालिक आर्थिक निर्भरता की चेतावनी दी है। उन्होंने अमरीकी व्यापार समझौतों से सबक लेने की सलाह दी है, जहां कृषि बाजार खोलने की मांग भारत के लिए कठिन है। इन चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए, सरकार को रचनात्मक कदम उठाने चाहिएं। सबसे पहले, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। समझौते में डेयरी और कुछ कृषि उत्पादों को बाहर रखा गया है, लेकिन कुमार की चेतावनी के अनुसार, बाजार बाढ़ से बचने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित करें। सरकार कृषि क्षेत्र में सबसिडी और समर्थन को मजबूत करे, जैसे कि फसल बीमा और बाजार लिंकेज को बढ़ावा देकर। साथ ही, एग्रीस्टैक जैसी डिजिटल पहलों को तेज करे ताकि किसान वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन कर सकें। दूसरा, एम.एस.एम.ई. और छोटे उद्योगों की तैयारी पर फोकस करें। उत्पादन लिंक्ड इंसैंटिव (पी.एल.आई.) स्कीम को विस्तार दें, विशेषकर टैक्सटाइल, फार्मा और इलैक्ट्रॉनिक्स में। एम.एस.एम.ई. को क्रैडिट पहुंच, कौशल विकास और निर्यात प्रशिक्षण प्रदान करें। यूरोपीय संघ के साथ संयुक्त निवेश कोष स्थापित करे जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर केंद्रित हो, ताकि मेक इन इंडिया मजबूत हो सके। तीसरा, पर्यावरण और सस्टेनेबिलिटी मानकों का अनुपालन। यूरोपीय संघ का कार्बन बॉर्डर एडजस्टमैंट मैकेनिज्म (सी.बी.ए.एम.), जो 1 जनवरी, 2026 से पूर्ण रूप से लागू है, भारतीय स्टील और एल्युमीनियम पर कार्बन टैक्स लगा सकता है, जिससे निर्यातकों को 22 प्रतिशत तक कीमत कम करनी पड़ सकती है। सरकार को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाकर, जैसे कि 500 जी.डब्ल्यू. सौर लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़कर, इस चुनौती का सामना करना चाहिए। यूरोपीय संघ के साथ संयुक्त हरित प्रौद्योगिकी परियोजनाएं शुरू करे। चौथा, व्यापार घाटे को संतुलित करने के लिए विविधीकरण। सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करे, जैसे कि अफ्रीका और लातीनी अमरीका। साथ ही, समझौते के तहत निवेश नियमों को मजबूत करे ताकि नीति स्थान सुरक्षित रहे। राष्ट्रीय निवेश बोर्ड को सक्रिय करे जो विदेशी निवेश की समीक्षा करे और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

पहले सत्ता लोगों से डरती थी, अब लोग सत्ता से

> क्योंकि तब सत्ता करीब महसूस होती थी, ज्यादा मानवीय और कम डराने वाली। जब कोविड आया, तो कई लोगों को लगा कि वह पल फिर से लौट आया है। सड़कें खाली थीं। सायरन खामोश हो गए। लाल बत्तियां हटा दी गईं। काफिले गायब हो गए। नेताओं ने सादगी, समानता और सांझा दुख की बात की। वादे किए गए-कि कोई सड़क नहीं रोकी जाएगी, कोई वी.आई.पी. कल्चर नहीं होगा, सुरक्षा का कोई नाटक नहीं होगा। और फिर, धीरे-धीरे और उम्मीद के मुताबिक, वह सब वापस आ गया। आज, वह नजारा फिर से जाना-पहचाना है-पायलट कारें, पुलिस के वाहन, चमकती लाइटें, अचानक सड़कों का बंद होना और मामूली पदाधिकारियों के लिए भी लंबे काफिले। नौकरशाह, जो कभी खुद गाड़ी चलाते थे, अब अंगरक्षकों के साथ चलते हैं। सादगी की बात करने वाले राजनेता 10 गाडियों के साथ आते हैं। कोविड ने वी.आई.पी. कल्चर का इलाज नहीं किया, बस उसे कुछ देर के लिए रोक दिया था। असहज करने वाला सवाल यह है-क्या वह पुराना, सरल समय कभी लौटेगा? ईमानदार जवाब यह है कि सत्ता, जिसका स्वाद एक बार चख लिया जाए, वह खुद से कभी विनम्र नहीं होती। सुरक्षा सिर्फ इसलिए नहीं बढ़ी क्योंकि खतरे बढ़ गए। यह इसलिए बढ़ी क्योंकि हक जताने की भावना बढ़ गई। सत्ता की हर परत यह मानने लगी कि वह सुरक्षा, प्राथमिकता और रास्ता साफ पाने की हकदार है। जब एक व्यक्ति के लिए सड़कें रोकी जाती हैं, तो हजारों लोगों को पदानुक्रम में उनकी जगह याद दिलाई जाती है। जब काफिले को निकालने के लिए एम्बुलैंस फंस जाती है, तो जनता का गुस्सा चुपचाप पनपता है।

देवी एम. चेरियन

एक समय था, ज्यादा पुरानी बात नहीं, जब राजनेता बिना किसी चेतावनी के बाजारों में चले आते थे। जब एक जिला कलैक्टर बस स्टैंड पर खड़ा होता था। जब किसी मंत्री की गाड़ी लाल बत्ती पर बाकी सब की तरह इंतजार करती थी। सत्ता का अस्तित्व था, लेकिन उसे अपनी मौजूदगी का ऐलान करने के लिए सायरन की जरूरत नहीं थी। लोग उस समय को सिर्फ पुरानी यादों के तौर पर नहीं, बल्कि एक चाहत के साथ याद करते हैं। क्योंकि तब सत्ता करीब महसूस होती थी, ज्यादा मानवीय और कम डराने वाली। जब कोविड आया, तो कई लोगों को लगा कि वह पल फिर से लौट आया है। सड़कें खाली थीं। सायरन खामोश हो गए। लाल बत्तियां हटा दी गईं। काफिले गायब हो गए। नेताओं ने सादगी, समानता और सांझा दुख की बात की। वादे किए गए-कि कोई सड़क नहीं रोकी जाएगी, कोई वी.आई.पी. कल्चर नहीं होगा, सुरक्षा का कोई नाटक नहीं होगा। और फिर, धीरे-धीरे और उम्मीद के मुताबिक, वह सब वापस आ गया। आज, वह नजारा फिर से जाना-पहचाना है-पायलट कारें, पुलिस के वाहन, चमकती लाइटें, अचानक सड़कों का बंद होना और मामूली पदाधिकारियों के लिए भी लंबे काफिले। नौकरशाह, जो कभी खुद गाड़ी चलाते थे, अब अंगरक्षकों के साथ चलते हैं। सादगी की बात करने वाले राजनेता 10 गाडियों के साथ आते हैं। कोविड ने वी.आई.पी. कल्चर का इलाज नहीं किया, बस उसे कुछ देर के लिए रोक दिया था। असहज करने वाला सवाल यह है-क्या वह पुराना, सरल समय कभी लौटेगा? ईमानदार जवाब यह है कि सत्ता, जिसका स्वाद एक बार चख लिया जाए, वह खुद से कभी विनम्र नहीं होती। सुरक्षा सिर्फ इसलिए नहीं बढ़ी क्योंकि खतरे बढ़ गए। यह इसलिए बढ़ी क्योंकि हक जताने की भावना बढ़ गई। सत्ता की हर परत यह मानने लगी कि वह सुरक्षा, प्राथमिकता और रास्ता साफ पाने की हकदार है। जब एक व्यक्ति के लिए सड़कें रोकी जाती हैं, तो हजारों लोगों को पदानुक्रम में उनकी जगह याद दिलाई जाती है। जब काफिले को निकालने के लिए एम्बुलैंस फंस जाती है, तो जनता का गुस्सा चुपचाप पनपता है। जब राजनेता बिना सुरक्षा परतों के लोगों के बीच नहीं चल सकते, तो विश्वास कम

हो जाता है। सिस्टम नागरिकों से कहता है कि वह समानता में विश्वास रखता है लेकिन उसके कार्य कुछ और ही कहते हैं। क्या यह कभी बदलेगा? यह बदल सकता है लेकिन केवल दबाव में, सद्भावना से नहीं। बदलाव इसलिए नहीं आएगा कि नेता अचानक विनम्र हो जाएंगे। यह केवल तभी आएगा जब मतदाता लगातार फिजूलखर्ची को दंडित करेंगे, जब अदालतें सुरक्षा श्रेणियों को सख्ती से सीमित करेंगी, जब मीडिया काफिलों का महिमामंडन करना बंद कर देगा, और जब नागरिक वी.आई.पी. आवाजाही के कारण होने वाली असुविधा को सामान्य मानना बंद कर देंगे। कुछ राज्यों ने सुरक्षा सूचियों में कटौती करने की कोशिश की है। कुछ नेताओं ने जानबूझकर अपने तामझाम को कम किया है। लेकिन ये अपवाद हैं, नियम नहीं। वी.आई.पी. कल्चर इसलिए जीवित है क्योंकि समाज इसे सहन करता है। हम निजी तौर पर शिकायत करते हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पालन करते हैं। हम अपने जीवन को ढाल लेते हैं और सिस्टम इस खामोशी को सहमति मान लेता है। अकेले चलते हुए राजनेता की पुरानी छवि इसलिए काम करती थी क्योंकि तब सत्ता लोगों से डरती थी। आज, लोग सत्ता से डरते हैं। यही असली बदलाव है। क्या इसे बदला जा सकता है? शायद, लेकिन केवल तभी, जब सत्ता को सायरन और बैरिकेड्स के माध्यम से मांग करने की बजाय फिर से सम्मान अर्जित करने के लिए मजबूर किया जाए। केवल तभी, जब सार्वजनिक सेवा फिर से सेवा लगे, राजशाही नहीं। साथ ही, इन नए बनने की चाह रखने वाले राजनेताओं की असुरक्षा भी है, जिन्हें तभी पहचाना जाएगा जब उनके साथ 6 बॉडीगार्ड हों। यह तब होता है, जब आप एक हलचल पैदा करना चाहते हैं कि मैं आ गया हूं। यह अद्भुत है कि कुछ शक्तिशाली और सरल मंत्री अभी भी अपने साथ किसी को लेकर नहीं चलते। तब तक, काफिले लंबे होते रहेंगे, लाल बत्तियां चमकती रहेंगी और सड़कें रुकती रहेंगी और हम चुपचाप पूछते रहेंगे-शासकों ने हमारे बीच चलना कब बंद कर दिया और हमारे ऊपर से गुजरना कब शुरू कर दिया? वह सवाल, किसी भी सायरन से ज्यादा, सत्ता में बैठे लोगों को चिंतित करना चाहिए। 2014 में जब नई सरकार ने शपथ ली थी, तो हमने सुना था कि कोई सायरन नहीं होगा, कोई लाल बत्ती नहीं होगी, सुरक्षा गार्ड नहीं होंगे लेकिन कहीं न कहीं कुछ गलत हो गया है। असली राजनेता के लिए असली खतरा समझ में आता था लेकिन अब यह अराइव्ड सिंड्रोम (पहुंच जाने का भ्रम) बन गया है-बॉडीगार्ड लो, बिजनैस एस्टैब्लिशमैंट और वी.आई.पी. सिंड्रोम दरअसल आम आदमी के लिए एक उत्पीडन है। सबसे बढ़कर, हम अक्सर ऐसे धोखेबाजों और व्यक्तियों को देखते हैं, जो अभी-अभी जेल से बाहर आए हैं और इन निजी सुरक्षा गार्डों के साथ घूमते हैं। यह एक बहुत ही दुखद मजाक है।

नवयुग कन्या महाविद्यालय पर नगर निगम ने ताला जड़ा,24 लाख से ज्यादा बकाया है हाउस टैक्स

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम ने शहर के नवयुग कन्या महाविद्यालय के गेट पर आज सुबह ताला जड़ दिया। सुबह कॉलेज खुलने से पहले ही निगम की टीम पहुंच गई। सुबह 6.45 बजे कॉलेज के गेट पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया गया। गेट पर ही एक नोटिस चस्पा किया गया है जिस पर ताला लगाने का कारण लिखा है। कॉलेज खुलने के समय पर जब स्टूडेंट्स पहुंचे तो उन्हें बाहर ही खड़े होना पड़ा। काफी देर तक स्टूडेंट्स इंतजार करते रहे। सीलिंग के खिलाफ आपत्ति करने पर मौके पर कॉलेज प्रशासन के साथ नगर निगम की टीम की तीखी नोकझोंक भी हुई। नवयुग कन्या महाविद्यालय की प्रिंसिपल ने बताया कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। हाउस टैक्स प्रकरण को लेकर नगर निगम की टीम ने सुबह पौने सात बजे कॉलेज को सील कर दिया गया था। परसों नगर निगम की अधिकारी बताते हुए एक टीम लेकर नमिता आई थीं। रिवाइज्ड हाउस टैक्स न देने के लिए आक्रोशित होकर बात की थी। हमने ऑफिस को सोमवार के लिए पूरे प्रकरण की फाइल निकालने को कहा था। बावजूद इसके आज सील करने क्या औचित्य है? लखनऊ के कितने एडेड कॉलेज हैं, जहां कितने सालों से प्रकरण चल रहा है।

दीवार पर तस्वीरें सजाने का सही तरीका क्या है? अंबानी हाउस से मिलेगा आइडिया

घर की दीवारों को तस्वीरों से सजाना सिर्फ यादों को संजोने का तरीका नहीं, बल्कि घर की खूबसूरती और स्टाइल बढ़ाने का भी बेहतरीन विकल्प है। लेकिन जरूरत से ज्यादा सजावट करने या बिना सोच-समझ के तस्वीरें लगाने से दीवार अव्यवस्थित और कम क्लासी दिख सकती है। इसलिए सही तरीका और डिजाइन अपनाना बेहद जरूरी है।

सही जगह का चुनाव करें

तस्वीरें सजाने के लिए सबसे पहले सही जगह चुनना जरूरी है। घर की दीवारों में पढ़ने का कोना, गलियारा या एंट्री गेट की दीवार सबसे बेहतरीन रहती हैं। ऐसी जगह आपकी यादें सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि कहानी की तरह बयां करती हैं। सही जगह का चुनाव करके आप दीवार को कमरे का आकर्षक हिस्सा बना सकते हैं।

लेटेस्ट और ट्रेडिशनल डिजाइन का बैलेंस

बेहतरीन लुक पाने के लिए मॉडर्न और ट्रेडिशनल डिजाइन में बैलेंस बनाना जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर घर का फर्नीचर मॉडर्न है तो आप सुनहरे या पारंपरिक फ्रेम्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह न केवल हेरिटेज टच देता है, बल्कि टाइमलेस ब्यूटी भी जोड़ता है। बिना ज्यादा सजावट के भी फ्रेम्स बेहद खूबसूरत लग सकते हैं।

रोशनी का ध्यान रखें

दीवार पर तस्वीरें लगाते समय लाइटिंग पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। प्राकृतिक रोशनी वाले कोनों या हल्की लाइट के पास तस्वीरें लगाने से उनका कलर और डिटेल्स निखर कर सामने आते हैं। सही लाइटिंग दीवार को आकर्षक बनाती है, तस्वीरों की खूबसूरती को बढ़ाती है और आंखों को चुभती नहीं। जैसे शाहरुख खान के दिल्ली वाले घर में तस्वीरों को रोशनी के हिसाब से सजाया गया है।

लिमिट का ध्यान रखें

अक्सर लोग तस्वीरें सजाते समय सीमा का ध्यान नहीं रखते, जिससे दीवार अव्यवस्थित दिखने लगती है। पूरी दीवार को भरने की बजाय एक सुसंगठित पैटर्न में तस्वीरें लगाएं। इससे दीवार हाइलाइट होती है और कमरे का लुक साफ-सुथरा, स्टाइलिश और सुकून भरा बनता है।

यादों का सिलेक्शन करें

तस्वीरें सिर्फ सजावट का हिस्सा नहीं, बल्कि खास और दिल से जुड़ी यादों का प्रतिनिधित्व करती हैं। शादी के पल, परिवार या बुजुर्गों की यादें, ट्रिप की खास मूवमेंट ऐसी तस्वीरें दीवार पर लगाएं। ये न केवल घर को खूबसूरत दिखाती हैं बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए अनमोल यादें भी बनती हैं। उदाहरण के लिए, बिड़ला खानदान की हवेली में आज भी 100 साल पुरानी तस्वीरें संजोई हुई हैं।

खास जगहों पर फोटो फ्रेम सजाएं

दीवारों के अलावा आप टेबल, शेल्फ या लिविंग रूम में स्पेस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अंबानी हाउस, एंटीलिया में भी टेबल पर फोटो फ्रेम्स से यादों को खूबसूरती से सजाया गया है। अगर आपके घर में लिविंग रूम में पर्याप्त जगह है, तो वहां कुछ खास और सुंदर फोटो फ्रेम रखकर आकर्षक लुक दिया जा सकता है। दीवार पर तस्वीरें सजाने का सही तरीका अपनाकर आप अपने घर को सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और यादों से भरा बना सकते हैं। सही जगह, बैलेंस्ड डिजाइन, सही लाइटिंग, लिमिट का ध्यान और खास यादों का चयन इन 5 टिप्स को अपनाकर आपकी दीवार हमेशा स्टाइलिश और क्लासी दिखेगी।

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम ही लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए बॉयोफार्मा शक्ति योजना के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली ऑरेंज इकॉनोमी को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

फूल वाले पौधों का इस तरह से रखें ध्यान, रहेंगे स्वस्थ

गर्मियों में बढ़ती गर्मी कई तरह की समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। इनमें से एक है फूलों वाले पौधों का मुरझाना।

अगर आप अपने बगीचे में फूलों वाले पौधे लगाते हैं तो आपको उनकी देखभाल के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसा न करने पर फूलों वाले पौधे मुरझा सकते हैं।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देते हैं, जिनसे आप गर्मियों के दौरान अपने फूलों वाले पौधों का अच्छे से ध्यान रख सकते हैं।

पौधों में छाया की व्यवस्था करें

गर्मियों में सूरज की रोशनी काफी तेज होती है, जो कई बार फूलों वाले पौधों के लिए हानिकारक हो सकती है। इससे बचाने के लिए अपने फूलों वाले पौधों को ऐसी जगह पर रखें, जहां उन्हें सुबह की हल्की धूप और दोपहर की तेज धूप से बचाव मिल सके।

आप चाहें तो पौधों को किसी पेड़ के नीचे या फिर छत पर कपड़े या छांव देने वाले तिरपाल से ढक सकते हैं।

पौधों को पर्याप्त पानी देना है जरूरी

गर्मियों में फूलों वाले पौधों को पर्याप्त पानी देना बहुत जरूरी है।

हालांकि, ध्यान रखें कि अधिक पानी से भी फूलों वाले पौधों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे जड़ें खराब हो सकती हैं। इसलिए इन्हें बस तभी पानी दें जब इनमें मिट्टी सूखी लगे।

इसके अलावा पौधों को सुबह के समय पानी दें क्योंकि इस समय मिट्टी ठंडी रहती है, जिससे पौधों पर पानी का नकारात्मक असर नहीं पड़ता।

खाद का करें उपयोग

फूलों वाले पौधों को सही पोषण देने के लिए उन्हें समय-समय पर खाद दें।

इसके लिए आप प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता सुधरेगी और पौधे स्वस्थ रहेंगे। आप चाहें तो अपने फूलों वाले पौधों को पोषण देने के लिए गोबर की खाद या फिर हरी खाद का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह खाद पौधों को जरूरी तत्व प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें कीटों से सुरक्षित रखने में भी मदद कर सकती है।

किस विटामिन की कमी से चेहरे पर होले हैं एक्ने और पिंपल्स? जानिए वजह

आज के समय में चेहरे पर बार-बार पिंपल्स निकलना बहुत आम समस्या बन गई है। लोग अक्सर इसके लिए महंगे फेसवॉश, क्रीम और ट्रीटमेंट इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी राहत नहीं मिलती। अक्सर इसे सिर्फ ब्यूटी प्रॉब्लम समझने की गलती की जाती है, जबकि बार-बार पिंपल्स निकलना शरीर में पोषण की कमी और विटामिन असंतुलन का संकेत भी हो सकता है।

विटामिन ए की कमी से बढ़ते पिंपल

विटामिन ए त्वचा की कोशिकाओं के निर्माण और रिपेयर के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी होने पर त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। रोमछिद्र बंद होने लगते हैं। पिंपल्स और मुंहासे बार-बार निकलने लगते हैं। दाग-धब्बे देर से ठीक होते हैं।

कैसे पूरा करें कमीः गाजर, पालक, शकरकंद, हरी सब्जियां और पपीता विटामिन । के अच्छे स्रोत हैं।

विटामिन बी और सी भी जरूरी हैं

विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, खासकर बी2, बी3, बी6 और बी12, त्वचा को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इसकी कमी से त्वचा पर सूजन और रेडनेस बढ़ सकती है। पिंपल्स और एक्ने की समस्या गंभीर हो सकती है। बी12 की कमी हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकती है। विटामिन बी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट है जो त्वचा को अंदर से मजबूत करता है। पिंपल्स के दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

कैसे पूरा करें कमीः साबुत अनाज, दालें, अंडे, दूध, आंवला, संतरा, नींबू और अमरूद का सेवन करें।

विटामिन डी की कमी भी जिम्मेदार

विटामिन डी त्वचा की सूजन कम करने और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर पिंपल्स ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। त्वचा की संक्रमण-प्रतिकारक क्षमता कम हो जाती है।

कैसे पूरा करें कमीः रोज थोड़ी देर धूप में बैठें। दूध, दही और अंडे का सेवन बढ़ाएं।

सही लाइफस्टाइल से पाएं ग्लोइंग फेस

पिंपल्स सिर्फ बाहरी समस्या नहीं हैं, यह शरीर में पोषण की कमी का संकेत भी देते हैं। इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार अपनाएं। जरूरी विटामिन्स को पर्याप्त मात्रा में लें। हेल्दी लाइफस्टाइल बनाएं। पर्याप्त नींद और नियमित हल्की एक्सरसाइज करें।

डॉक्टर की सलाह लें

हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है और विटामिन की जरूरत भी अलग होती है। इसलिए पिंपल्स की वजह जानने और सही विटामिन की कमी पूरा करने के लिए डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। सही निदान के साथ आप साफ, हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं।

चेहरे पर बार-बार पिंपल्स सिर्फ ब्यूटी प्रॉब्लम नहीं हैं, बल्कि शरीर के अंदर पोषण और विटामिन्स की कमी का संकेत हो सकते हैं। विटामिन ए, बी, सी और डी की पर्याप्त मात्रा, संतुलित आहार और सही लाइफस्टाइल अपनाकर पिंपल्स से राहत पाई जा सकती है।

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए ट्राई करके देखें करी पत्ते से बना ये हेयर पैक, हेयरफॉल से मिलेगा छुटकारा

करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अधिकतर लोगों के साथ आजकल हेयर फॉल संबंधी समस्याएं होती हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोग सेल्फ केयर पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में अगर आप

भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर ग्रोथ के लिए करी पत्ते के इस हेयर पैक को बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इस हेयर पैक के लिए आपको मेथीदाना और नारियल के तेल की भी जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं हेयर पैक

इस हेयर पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक गिलास पानी लें। इसमें एक मुट्ठी मेथी दाना और एक मुट्ठी करी पत्ता डाल लें। फिर इन दोनों चीजों को पानी में रातभर के लिए भिगोकर रख दें। वहीं अगले दिन सुबह इन सभी चीजों को अच्छे से पीस लें। आप अच्छे परिणाम पाने के लिए इसमें नारियल तेल भी मिला सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस हेयर पैक को अपने बालों और स्कैल्प पर अच्छे से अप्लाई करें। वहीं आप अगर बेहतर रिजल्ट पाना चाहते हैं तो इस हेयर मास्क को करीब 30 मिनट से लेकर 1 घंटे तक अपने बालों पर लगाएं। इसके बाद नॉर्मल पानी से हेयर वॉश कर लें। इसका पॉजिटिव असर आपको खुद-ब-खुद महसूस हो जाएगा।

बालों की सेहत के लिए अच्छा

करी पत्ते में पाए जाने वाले तत्व हेयर हेल्थ को इंप्रूव करते हैं। अगर आप भी बालों की लंबाई को बढ़ाना चाहती हैं, तो आप रेगुलर तौर पर इस हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस हेयर पैक से हेयर फॉल जैसी समस्या से राहत मिलेगी। वहीं मेथी दाना, करी पत्ता और नारियल का तेल मिक्स करके लगाने से बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इस हेयर पैक से आपके रूखे और बेजान बाल सिल्की और स्मूदी बन सकते हैं।

हिन्दी भाषा को मंजूरी नहीं

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे का कहना है कि उनका दल महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा को अनिवार्य बनाने के कदम को मंजूरी नहीं देगा। राज्य सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप पहली कक्षा से पांचवीं तक छात्रा के लिए हिन्दी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के फैसले के मद्देनजर उनकी यह टिप्पणी आई है। उद्धव ने शिव सेना की श्रमिक शाखा के कार्यक्रम में कहा कि उनके दल को हिन्दी से परहेज नहीं है पर इसे छात्रों पर नहीं थोपा जा सकता। पिछले दिनों हिन्दीभाषी बैंककर्मी के साथ हाथापाई की घटना के अतिरिक्त मुंबई में लगातार शिवसैनिकों द्वारा भाषाई विरोध हो रहा है।

इससे पहले भी उत्तर भारत से बाहर के राज्यों द्वारा हिन्दी थोपे जाने के खिलाफ विपक्ष मुखर होता रहता है। भाषा को लेकर झगड़ा नया नहीं है परंतु इसका मकसद राजनीतिक प्रतीत होता है। देश के आधे से अधिक नागरिक हिन्दी को बोलचाल की भाषा की तरह प्रयोग करते हैं। यह देश की सबसे ज्यादा बोली भाषा भी है। केवल 26 प्रतिशत लोगों की मातृ भाषा होने के बावजूद हिन्दी का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 69 करोड़ बताई जाती है, जो कुल जनसंख्या का 57 प्रतिशत है।

हालांकि अपने यहां हिन्दी में 56 मातृ भाषाएं संबद्ध हैं। देश भर को एक सूत्र में लपेटने वाला सिनेमा, टीवी धारावाहिक, विज्ञापन और गाने सब हिन्दी में ही मुंबई शहर में बनाए जाते हैं जिनके भरोसे रोजी-रोटी कमाने वालों में हर भाषा, वर्ग और राज्यनिवासियों का सहयोग होता है। मराठी की मूल लिपि कोंकणी होने के बावजूद आज वह देवनागरी में ही लिखी जा रही है। यूं तो देश में बंगाली और भोजपुरी बोलने वालों की संख्या अत्यधिक है परंतु राज्य सरकारें या स्थानीय शीर्ष नेताओं द्वारा मातृ भाषा की बजाय देशवासियों तक विचार पहुंचाने के लिए हिन्दी या अंग्रेजी ही प्रचलित है। यह भी याद रखना चाहिए कि जिन राज्यों में संस्कृत स्कूली स्तर पर अनिवार्य भाषा के तौर पर पढ़ाई जाती रही है, वहां से संस्कृत में धारा-प्रवाह श्लोक पढ़ने वाली पौध नहीं तैयार की जा सकी। दूसरे मातृ भाषा पढ़ने-लिखने वालों की संख्या भी तेजी से कम होती जा रही है। नौजवान उसी भाषा को प्राथमिकता देने को राजी होते हैं, जो उन्हें रोजगार दिलाने में सक्षम हो। भाषा विवाद राजनीतिक होता है। यह जनता भली-भांति जानती है। उसे भाषा के नाम पर बरगलाना नामुमकिन है।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है। कोयनानगर में घूमने की जगहें कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं। कैसे पहुंचे कोयनानगर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

सिंगापुर की कम्पनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रमुख की सीएम से मुलाकात

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र भी मौजूद रहे बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है।

टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू सूर्यकुमार रच पाएंगे कीर्तिमान

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप की तैयारियां पूरी हो गई हैं और सभी 20 टीमें इसमें हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। इस वैश्विक टूनार्मेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। आइए देखते हैं सभी टीमों का स्क्वाड टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो गया है और अब इस वैश्विक टूनार्मेंट को शुरू होने में पांच दिन का समय शेष रह गया है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। सभी 20 टीमों ने अपने स्क्वाड घोषित कर दिए हैं और प्रत्येक टीम टी20 विश्व कप में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। 20 टीमें ले रहीं हिस्सा पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूनार्मेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आठ स्थलों पर होंगे विश्व कप के मैच टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। सूर्यकुमार के पास उपलब्धि हासिल करने का मौका भारतीय

कप्तान सूर्यकुमार यादव के पास टी20 विश्व कप के दौरान उपलब्धि हासिल करने का मौका रहेगा। अगर भारतीय टीम खिताब जीतने में सफल रही तो सूर्यकुमार भारत के चौथे कप्तान होंगे जिन्होंने आईसीसी ट्रॉफी जीती है। भारत के लिए अब तक कपिल देव (1983 वनडे विश्व कप), महेंद्र सिंह धोनी (2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी) और रोहित शर्मा (2024 टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) ने ही भारत को अपनी कप्तानी में आईसीसी खिताब दिलाए हैं। आइए देखतें है सभी 20 टीमों का पूरा स्क्वाड भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह। अमेरिकाः मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह, एंड्रीज गौस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, श्यान जहांगीर, साईतेजा मुक्कामाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्टुश केनजिगे, शैडली वान शल्कविक, सौरभ नेत्रावलकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने नामीबियाः गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जे.जे स्मिथ, जान फ्राइलिनक, लॉरेन स्टीनकैंप, मालन क्रूगर, निकोल लोफ्टी-ईटन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, जेसी बाल्ट, डायलन लीचर, डब्ल्यूपी मायबर्ग, मैक्स हेंगो। ट्रेवलिंग रिजवः अलेक्जेंडर वोल्शेंक। नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, जैक लायन-कैशेट, मैक्स ओ'डोड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, शाकिब जुल्फिकार। पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक। ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा। जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर। आयरलैंडः पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क एडायर, रॉस एडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लोरकान टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग। ओमानः जतिंदर सिंह (कप्तान), विनायक शुक्ला, मोहम्मद नदीम, शकील अहमद, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावले, शाह फैसल, नदीम खान, सुफियां महमूद, जय ओडेदरा, शफीक जान, आशीष ओडेदरा, जितेन रामानंदी, आमिर कलीम। इंग्लैंडः हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टोंग, ल्यूक वुड। वेस्टइंडीजः शाई होप (कप्तान), शिमरॉन हेटमायर, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्डे, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पोवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड। इटलीः वेन मैडसेन (कप्तान), मार्कस कैंपोपियानो, जियान पिएरो मीडे, जाएन अली, अली हसन, क्रिसन जॉर्ज कलुगामागे, हैरी मैनेंटी, एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, सैयद नकवी, बेंजामिन मैनेंटी, जसप्रीत सिंह, जे.जे स्मट्स, ग्रांट स्टीवर्ट, थॉमस ड्रेका। नेपालः रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, संदीप लामिछाने, कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, संदीप जोरा, आरिफ शेख, बसीर अहमद, सोमपाल कामी, करण केसी, नंदन यादव, गुलशन झा, ललित राजबंशी, शेर मल्ला, लोकेश बम। स्कॉटलैंडः रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, जानुल्लाह एहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलन, जॉर्ज मुन्सी, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील। ट्रेवलिंग रिजवः जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस। दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मार्करैम (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, मार्को यानसेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स। न्यूजीलैंडः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी। अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), नूर अहमद, अब्दुल्ला अहमदजई, सेदिकुल्लाह अटल, फजल हक फारूकी, रहमानुल्लाह गुरबाज, नवीन उल हक, मोहम्मद इशाक रहीमी, शाहिदुल्लाह कमाल, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, अजमतुल्लाह उमरजई, मुजीब उर रहमान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान। रिजवः एएम गजनफर, एजाज अहमद अहमदजई, जिया उर रहमान शरीफी। कनाडाः दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), अजयवीर हुंदल, अंश पटेल, दिलोन हेइलिगर, हर्ष ठाकेर, जसकरनदीप बुट्टर, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, रविंदरपाल सिंह, साद बिन जफर, शिवम शर्मा, श्रेयस मोव्वा, युवराज समरा। यूएईः मोहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, ध्रुव पाराशर, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मयंक कुमार, मुहम्मद अरफान, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद जवादुल्लाह, मोहम्मद जोहैब, रोहिद खान, सोहैब खान, सिमरनजीत सिंह।

भारत से नहीं खेलने के पाकिस्तान के फैसले पर बीसीसीआई ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पाकिस्तान के भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर प्रतिक्रिया दी है। शुक्ला का कहना है कि वह इस मामले में आईसीसी से सहमत हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। इस मामले को लेकर आईसीसी ने भी हस्तक्षेप किया है और उसका कहना है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना का इंतजार कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला खेला जाना है। मैच के लिए श्रीलंका जाएगी भारतीय टीम भारत और पाकिस्तान के बीच ये मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह ग्रुप चरण के इस मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं, भारतीय टीम ने आईसीसी के प्रोटोकॉल का पालन करने का फैसला किया है और वह इस मैच के लिए श्रीलंका जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भारत इस मैच के लिए अभ्यास करेगा और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगा। टॉस के दौरान सूर्यकुमार यादव मैदान पर मौजूद रहेंगे और टीम इस बात का इंतजार करेगी कि मैच रेफरी मुकाबले को रद्द करें। आईसीसी से बात करेगा बीसीसीआई पाकिस्तान के फैसले को लेकर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, इस बारे में आईसीसी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने खेल भावना को लेकर बात की है और हम इस संबंध में आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। बीसीसीआई इस बारे में तब तक कोई टिप्पणी नहीं करेगा जब तक कि हम आईसीसी से बात नहीं कर लेते हैं। आईसीसी पाकिस्तान की हरकत से नाखुश पाकिस्तान ने भले ही फैसला ले लिया है, लेकिन आईसीसी उसकी इस हरकत से खुश नहीं है। आईसीसी ने पाकिस्तान के रवैये पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि उसे अब तक पीसीबी की ओर से इस बारे में आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है।

पहले अंडर-19 टीम ने औंधे मुंह पटका, अब सीनियर टीम का सामना करने का साहस नहीं!

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेलने से इनकार कर दिया है। हालांकि, उनकी टीम अंडर-19 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेली थी। यह साबित करता है कि भारत को लेकर पाकिस्तान ने किस करह दोहरा रवैया अपनाया है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला और इस तरह भारत हमेशा पाकिस्तान पर भारी पड़ा है। टी20 विश्व कप की शुरूआत अगले पांच दिनों में होने जा रही है। टूनार्मेंट शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गया है। पहले बांग्लादेश के कारण विश्व कप विवादों में रहा और अब पाकिस्तान इसकी चमक फीकी करने की कोशिशों में जुटा हुआ है। भारत और पाकिस्तान की टीमें आईसीसी टूर्नामेंट्स में ही एक दूसरे का सामना करती हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सकेगा क्योंकि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया है। हालांकि, बहिष्कार की नौटंकी करने वाला पाकिस्तान इस मामले पर दोहरा रवैया अपना रहा है। पाकिस्तानी सरकार ने लिया फैसला बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर करने के बाद पाकिस्तान आईसीसी को आंखें दिखा रहा था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि विश्व कप में खेलने का फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ करेंगे। नकवी ने हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात भी की थी। पाकिस्तानी सरकार ने रविवार को राष्ट्रीय टीम को विश्व कप में खेलने की मंजूरी दे दी। सरकार ने हालांकि, इस बात का एलान किया कि पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ होने वाले ग्रुप चरण के मैच का बहिष्कार करेगी। भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 विश्व कप से किया बाहर पाकिस्तान ने जब भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला लिया, उसी दिन भारतीय अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को विश्व कप से बाहर का रास्ता दिखाया। दरअसल, दोनों टीमों के बीच रविवार को बुलवायो में अंडर-19 विश्व कप का मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के लिए यह मैच काफी अहम था क्योंकि इससे सेमीफाइनल का रास्ता तय होना था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 252 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम 46.2 ओवर में ही 194 रन पर आउट हो गई। भारतीय टीम ने इस तरह सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि पाकिस्तान का सफर अंडर-19 विश्व कप में समाप्त हो गया। अलग टूनार्मेंट के लिए अलग नियम? भारत की युवा टीम से मुंह की खाने के तुरंत बाद ही यह खबर आई की पाकिस्तान सरकार ने सीनियर टीम को भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया है। पाकिस्तान का यहीं से दोहरा चरित्र सामना आ गया क्योंकि अंडर-19 विश्व कप के लिए पाकिस्तान ने अपनी टीम को भारत के खिलाफ खेलने दिया। अब जब 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की सीनियर टीमें विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रही थीं, तो उसने अंतिम समय में बहिष्कार करने की नौटंकी शुरू कर दी। इतना ही नहीं पिछले साल एशिया कप के दौरान भी पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेला था। उस वक्त ना तो पीसीबी ने इसका विरोध किया और ना ही पाकिस्तान की सरकार कुछ बोली। क्या भारत का सामना करने से डर रहा पाकिस्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम टी20 में शानदार फॉर्म में चल रही है। भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 4-1 से अपने नाम की है। इतना ही नहीं, भारत टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार है और वह इस टूनार्मेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। भारत का रिकॉर्ड भी विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अभूतपूर्व है। दोनों टीमें आठ बार एक दूसरे के सामने आई हैं, जिसमें से सात बार भारत को सफलता मिली है, जबकि सिर्फ एक बार पाकिस्तान जीता है। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पांड्या जैसे भारतीय खिलाड़ी फॉर्म में हैं जो पाकिस्तानी टीम को आसानी से पटखनी दे सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारत की खतरनाक फॉर्म को देखते हुए क्या पाकिस्तान टीम इंडिया का सामना करने से कतरा रहा है? एशिया कप में दी थी पटखनी भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले साल से ही रिश्ते काफी तल्ख चल रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर नाम से सैन्य कार्रवाई की थी और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था।

फॉर्म की दौड़ में आगे निकले ईशान सैमसन के लिए बढ़ी विश्व कप की चुनौती

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार फॉर्म के दम पर ईशान किशन ने संजू सैमसन पर बढ़त बना ली है, जिससे विश्व कप प्लेइंग-11 की दौड़ और रोचक हो गई है। वहीं, खराब प्रदर्शन से संजू की चुनौती बढ़ी है और तिलक वर्मा की वापसी उनके लिए मुसीबत बन सकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज सिर्फ 4-1 की जीत भर नहीं थी,

बल्कि यह उन चयन बहसों को भी तेज कर गई जो टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारतीय टीम प्रबंधन के सामने खड़ी हैं। इस सीरीज में दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहे वो ईशान किशन और संजू सैमसन रहे। इस सीरीज में दोनों की वापसी एक-दूसरे से बिल्कुल उलट रही। मौके को भुनाने में कामयाब हुए ईशान सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच टी20 मैचों की सीरीज में ईशान का बल्ला जमकर गरजा। चार मुकाबलों में ईशान ने 231.2 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 215 रन बनाए। ईशान का प्रभाव सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं था। उनकी बल्लेबाजी ने भारत के मिडिल ऑर्डर से दबाव पूरी तरह हटा दिया। शीर्ष क्रम में आक्रामक शुरूआत, फिर नंबर-तीन पर आकर रफ्तार बनाए रखना यह वही रोल है जिसे मौजूदा भारतीय टी20 टीम सबसे ज्यादा अहमियत देती है। तिरुवनंतपुरम में लगाया गया 43 गेंदों का शतक इस बात का सबूत था कि ईशान सिर्फ हिटर नहीं, बल्कि मैच की स्थिति पढ़ने वाले बल्लेबाज भी बन चुके हैं। स्पिन के खिलाफ गियर बदलना, तेज गेंदबाजों की गति का इस्तेमाल करना और 97 पर रुकने की बजाय तुरंत बड़ा शॉट खेलना ये सब चयनकताओं के लिए साफ संदेश था। संजू ने किया निराश संजू सैमसन के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही। लंबे समय बाद उन्हें बतौर ओपनर लगातार मौके मिले, लेकिन उनका प्रदर्शन टीम प्रबंधन के भरोसे पर खरा नहीं उतर सका। पांच पारियों में वह सिर्फ 46 रन ही बना सके। संजू की समस्या सिर्फ रन न बनाना नहीं थी, बल्कि उनकी आउट होने की शैली भी चिंता का विषय रही। गेंद को जल्दी पढ़ने में परेशानी उनके लिए मुसीबत साबित हुई। तिरुवनंतपुरम में घरेलू मैदान पर उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वही मैच उनकी मुश्किलों का प्रतीक बन गया। दबाव में खेलते हुए वह न तो लय में दिखे और न ही आत्मविश्वास में। चयन समीकरण और विश्व कप की तस्वीर विश्व कप से ठीक पहले फॉर्म सबसे बड़ा फैक्टर होता है, और फिलहाल इस कसौटी पर ईशान किशन संजू सैमसन से काफी आगे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन आक्रामक शीर्ष क्रम के साथ आगे बढ़ना चाहता है, जहां हर ओवर में रन निकलें। इसी बीच तिलक वर्मा का नाम इस बहस में जुड़ गया है। फिलहाल, तिलक चोट से उबर रहे हैं। एशिया कप फाइनल जैसे बड़े मैच में वह मैच-विनर साबित हो चुके हैं। उम्मीद है कि विश्व कप की प्लेइंग 11 में उन्हें शामिल किया जा सकता है। टी20 विश्व कप के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन/ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह/हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।

भारत के खिलाफ विश्वकप मैच का पाकिस्तान का बहिष्कार बेतुका क्यों इससे पहले ये चार देश भी उठा चुके कदम

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सरकार ने एलान किया है कि उनकी टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेले जाने वाले ग्रुप मुकाबले का बहिष्कार करेगी। इसके पीछे उनकी तरफ से कारण भी स्पष्ट नहीं किया गया है। हम यहां आपको बताएंगे कि ऐसा पहले कब-कब हुआ है, जब किसी टीम ने विश्व कप मुकाबले में खेलने से इनकार किया है। पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 में खेलने से इनकार कर दिया है। रविवार को पाकिस्तान सरकार की तरफ से जानकारी दी गई कि पाकिस्तान टीम आगामी विश्व कप में खेलेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले का बहिष्कार करेगी। पीसीबी को उसके इस फैसले का अंजाम भी भुगतना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मामले में हस्तक्षेप किया है और उसे पीसीबी से आधिकारिक सूचना मिलने का इंतजार है। अगर पाकिस्तान इस रवैये पर अडिग रहा तो उसके भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बेवजह अड़ियल रवैया अपना रहा पाकिस्तान यह पहला मौका नहीं है जब किसी टीम ने विश्व कप में मुकाबले के बहिष्कार का फैसला लिया है। इससे पहले चार टीमें ऐसा कर चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने सुरक्षा के चलते ऐसे फैसले किए। लेकिन पाकिस्तान को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने हैं। 15 फरवरी को होने वाला मुकाबला भी कोलंबो में खेला जाना था, अगर पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मैच भी श्रीलंका में ही कराया जाएगा। इसके बावजूद पाकिस्तान ने बिना किसी वजह के भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान कर दिया है। पाकिस्तान पर क्या कड़े फैसले ले सकता है आईसीसी? पाकिस्तान बहिष्कार की नौटंकी कर रहा है, लेकिन उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आईसीसी ने पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि इस बहिष्कार के परिणामस्वरूप दंडात्मक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

ये हमारा फैसला नहीं, भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर सलमान आगा की प्रतिक्रिया जानें क्या कहा

कराची। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार को लेकर बयान दिया है। सलमान का कहना है कि वह और उनकी टीम इस मामले में अपनी सरकार और पीसीबी के निर्देश का पालन करेगी। पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में नहीं खेलने पर प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तानी सरकार ने रविवार को कहा था कि उनकी राष्ट्रीय टीम इस वैश्विक टूनार्मेंट में हिस्सा लेगी, लेकिन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है और भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। मैच के लिए श्रीलंका जाएगी भारतीय टीम भारत और पाकिस्तान के बीच ये मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह ग्रुप चरण के इस मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं, भारतीय टीम ने आईसीसी के प्रोटोकॉल का पालन करने का फैसला किया है और वह इस मैच के लिए श्रीलंका जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भारत इस मैच के लिए अभ्यास करेगा और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगा। टॉस के दौरान सूर्यकुमार यादव मैदान पर मौजूद रहेंगे और टीम इस बात का इंतजार करेगी कि मैच रेफरी मुकाबले को रद्द करें। 'सरकार और पीसीबी के निर्देश का करेंगे पालन' भारत के खिलाफ नहीं खेलने के फैसले पर आगा ने कहा कि खिलाड़ी इस बारे में निर्णय नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान सरकार के निर्देश का पालन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के बाद आगा ने कहा, हम विश्व कप में खेलने जा रहे हैं। ये हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। जो भी हमारी सरकार और पीसीबी प्रमुख कहेंगे, हम बस उसका पालन करेंगे। आईसीसी पाकिस्तान की हरकत से नाखुश पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-0 से टी20 सीरीज अपने नाम की है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए बढ़ती जा रही मुश्किलें विश्व कप के शुरूआती चरण में हिस्सा नहीं ले पाएगा ये गेंदबाज

सिडनी। टी20 विश्व कप की शुरूआत होने में अब कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले पैट कमिंस टूनार्मेंट से बाहर हुए और अब टीम के एक और अनुभवी तेज गेंदबाज टूनार्मेंट के शुरूआती दौर के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम से नहीं जुड़ पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 विश्व कप के शुरूआती मैचों के लिए टीम के साथ नहीं जाएंगे। हेजलवुड चोट से उबर रहे हैं और इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा

हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने सोमवार को यह जानकारी दी है। वहीं, नाथन एलिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल कोलंबो पहुंच चुके हैं। डोडेमेड ने कहा कि ये खिलाड़ी टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका में खेलने हैं शुरूआती मैच ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण में अपने चार मैच श्रीलंका में खेलेगा। कंगारू टीम अपने अभियान की शुरूआत 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ करेगी। हेजलवुड टूनार्मेंट के शुरूआती दौर में सिडनी में रहेंगे। सीन एबोट ट्रेवल रिजर्व के तौर पर टीम के साथ जाएंगे। हेजलवुड चोट के कारण 2025-26 एशेज सीरीज से भी बाहर रहे थे। डोडेमेड ने यह नहीं बताया कि हेजलवुड कब से खेल सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया के प्रारंभिक दौर के मुकाबले 20 फरवरी को खत्म होंगे। टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप के अभ्यास मैचों के लिए भारत ए टीम घोषित बदोनी करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप से पहले भारत ए टीम अभ्यास मैच खेलेगी। इसके लिए बीसीसीआई ने टीम का एलान कर दिया है। इस टीम में तिलक वर्मा भी शामिल हैं जो चोट के कारण पिछले कुछ समय से बाहर चल रहे थे। टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के लिए भारत ए टीम घोषित हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ दो अभ्यास मैचों के लिए सोमवार को टीम का एलान किया है।

भारत ए टीम की कमान आयुष बदोनी करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि चोट के कारण बाहर चल रहे तिलक वर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। तिलक टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। सात फरवरी से शुरू होगा टूनार्मेंट टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है। इस टूनार्मेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया था और सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम इस वैश्विक टूनार्मेंट में खिताब का बचाव करने उतरेगी। सिर्फ एक मैच में खेलेंगे तिलक बीसीसीआई ने टीम का एलान करते वक्त बताया कि तिलक वर्मा टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम से जुड़ने से पहले एक अभ्यास मैच का हिस्सा होंगे। तिलक के पेट की सर्जरी हुई थी जिस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज का हिस्सा नहीं थे। तिलक बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। अब तिलक का नाम भारत ए टीम में शामिल हो गया है जो इस बात के संकेत है कि वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के लिए भारत ए टीमः आयुष बदोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्या, एन जगीदशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद, मयंक यादव।

केशव मौर्य का आवास घेरने पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थी, पुलिस से भिड़े धक्का-मुक्की

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी पुलिस से भिड़ गए। जमकर नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिसवालों ने हाथ-पैर पकड़कर अभ्यर्थियों को ठूस-ठूसकर भरा और इको गार्डन ले गई। करीब 50 अभ्यर्थी सोमवार सुबह 11 बजे डिप्टी सीएम का आवास घेरने के लिए सपा कार्यालय के बाहर जुटे। प्रदर्शनकारी मैं अभागा पिछड़ा, दलित हूं और सुप्रीम कोर्ट जातिवादी है जैसे स्लोगन लिखे बैनर ओढ़कर पहुंचे थे। जैसे ही प्रदर्शनकारी सपा कार्यालय से आगे बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस पर उनके बैनर फाड़ने का आरोप लगाकर वे हंगामा करने लगे। पहले पुलिसवालों से हॉट टॉक हुई, फिर धक्का-मुक्की हो गई। करीब 20 मिनट तक हंगामा चला। हम रोज आएंगे, देखते हैं पुलिस कब तक रोकेगी। जब तक सांस रहेगी, तब तक लड़ाई लड़ेंगे। दो साल से संघर्ष कर रहे, लेकिन हम लोगों को कुछ नहीं मिला। अनुप्रिया पटेल और केशव मौर्य पिछड़ों के नाम पर कलंक हैं। उनके मुंह से हमारे लिए शब्द नहीं निकलते, वे सिर्फ अपनी कुर्सी बचा रहे हैं।

मेरी डे वन से एआई..बहन शमिता के बर्थडे पर शिल्पा शेट्टी ने उड़ेला प्यार

कहा-तुम्हें चांद तक और उससे भी ज्यादा चाहती हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अक्सर अपनी छोटी बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी के लिए प्यार जाहिर करती रहती हैं। वहीं, हाल ही में शमिता के बर्थडे पर शिल्पा ने उसके लिए अपना दिल खोलकर रख दिया। छोटी बहन के 47वें बर्थडे पर एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक बेहद प्यारा और भावुक पोस्ट शेयर किया है। शिल्पा ने शमिता को प्यार से डे वन से मेरी ।1 बताते हुए उनके लिए एक खास बर्थडे मैसेज लिखा, जो फैंस का दिल जीत रहा है। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शमिता की बचपन की तस्वीरें शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ पुरानी फोटोज भी पोस्ट कीं, जिनमें शिल्पा, शमिता और उनकी मां के साथ बिताए गए खूबसूरत पलों की झलक देखने को मिलती है। पोस्ट के कैप्शन में शिल्पा ने लिखा, थोड़ा सा थ्रोबैक क्योंकि आखिर कैसे न करूं, आज तुम्हारा बर्थडे है। हैप्पी बर्थडे मेरी टूंकी, मेरी डे वन से ए1ए तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों, अच्छी सेहत, हंसी और प्यार से भरी रहे। याद रखना, आज, कल और हमेशा३ हर हाल में मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम्हें चांद तक और उससे भी ज्यादा प्यार करती हूं। शिल्पा का यह मैसेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शमिता शेट्टी, शिल्पा की छोटी बहन हैं। उन्होंने साल 2000 में रोमांटिक ड्रामा फिल्म मोहब्बतें से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद वह बेवफा, जहर और कैश जैसी फिल्मों में नजर आईं। फिल्मों के अलावा शमिता ने रियलिटी टीवी शोज में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। करियर में ब्रेक और उतार-चढ़ाव के बाद उन्होंने झलक दिखला जा, फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस जैसे चर्चित रियलिटी शोज में हिस्सा लिया। वहीं शिल्पा शेट्टी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म सुखी में नजर आई थीं। सोनल जोशी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शिल्पा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब शिल्पा जल्द ही फिल्म ज़क्रू द डेविल में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन प्रेम कर रहे हैं।

पत्नी शेफाली के निधन के बाद पराग त्यागी ने काम पर की वापसी, प्रोमो वीडियो देख फैंस बोले-ऐसे ही एक्टिंग करते रहो..

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन को करीब आठ महीने बीत चुके हैं। जून 2025 में उनके अचानक चले जाने से परिवार, दोस्त और फैंस गहरे सदमे में थे। इस कठिन दौर में उनके पति पराग त्यागी पूरी तरह टूट गए थे। हालांकि, धीरे-धीरे उन्होंने खुद को संभाला और काम पर लौटे। पत्नी के निधन के बाद पराग ने पहली बार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का प्रोमो वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे देख उनके फैंस मायूस हो गए हैं और पराग की हिम्मत को सलाम कर रहे हैं। पराग त्यागी ने अपने इंस्टाग्राम पर शो का वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने नए शो का नाम चंदनबाला बताया है। हालांकि, शो की रिलीज डेट या टेलीकास्ट से जुड़ी कोई जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। प्रोमो में पराग एक दमदार और गंभीर किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। पराग के इस पोस्ट पर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। एक्ट्रेस आरती सिंह ने कमेंट करते हुए लिखा, ऑल द बेस्ट भइया। वहीं, जसवीर कौर ने उनके काम की तारीफ करते हुए कहा, शानदार। फैंस ने भी पराग के हौसले की सराहना की। किसी ने लिखा, फुल सपोर्ट सर,ह्व तो किसी ने कहा, आप ऐसे ही एक्टिंग करते रहो, शेफाली की आत्मा को शांति मिलेगी। कई यूजर्स ने शो की रिलीज डेट पूछते हुए उत्सुकता भी जताई। पराग त्यागी ने टीवी की दुनिया में पवित्र रिश्ता से पहचान बनाई थी। इसके बाद वह जोधा अकबर, ब्रह्मराक्षस और शक्ति द्द अस्तित्व के एहसास की जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आए। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने थ्रिलर फिल्म ए वेडनेसडे से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। बाद में वह सरकार 3 और तेलुगू फिल्म अग्न्याथवासी में भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

मेरी बेटी भी कहती है कि श्पापा आप हमेशा ग्रे ही पहनते हैं- शाहिद कपूर

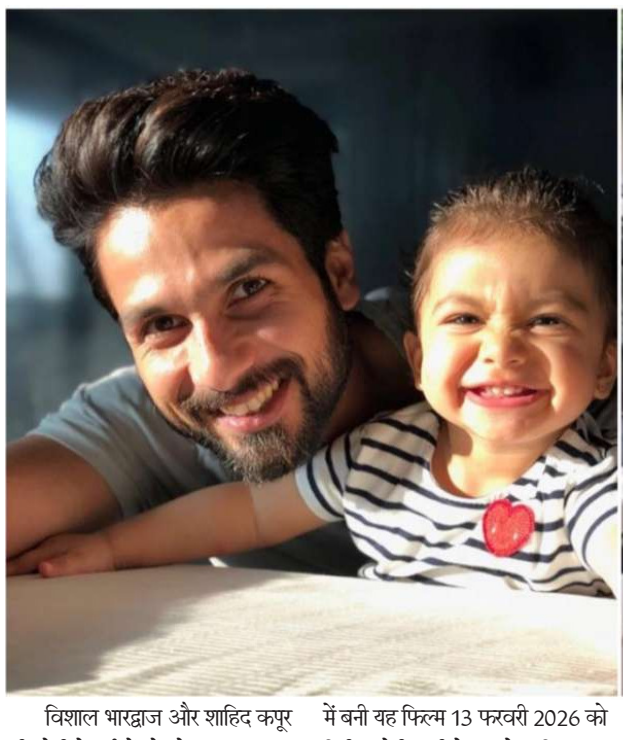

विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर की जोड़ी से दर्शकों को हमेशा कुछ हटकर सिनेमा की उम्मीद रहती है। उनकी आने वाली फिल्म ओ रोमियो ने टीजर और ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी लीड रोल निभा रहे हैं, जबकि नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी और दिशा पाटनी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। इसी के चलते शाहिद कपूर ने संवाददाता संदेश औलख शर्मा से खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश.

1 - ओ रोमियो की स्क्रिप्ट सुनते वक्त मन में कोई सवाल आया हां बोल दी ?

हां, मन में एक डर था कि कही फिल्म पर इतने एक्सपेरिमेंट ना हो जाए कि फिल्म समझ ही ना आए लोगों को। मैं ये चाहता था की फिल्म हर इंसान तक पहुंचे सिर्फ क्रिटिक्स तक ही सीमित ना रह जाए। हालांकि जब कहानी पूरी सुनी तो पता लगा कि इसमें रोमांस, एक्शन थ्रिल सबकुछ है। ऐसा कुछ भी नहीं है कि लोग इससे जुड़ ना पाएं। उल्टा ये कहानी तो लोगों को अट्रेक्ट करने वाली है। खास बात ये भी है कि इसमें विशाल भारद्वाज वाला टच भी है।

2 - तकरीबन एक साल में आप एक ही फिल्म करते है , क्या इसके पीछे कोई स्ट्रैटेजी है ?

इस साल तो दो फिल्में आ रही हैं लेकिन पहले ही बात करें तो स्ट्रैटेजी पर तो मैं काम ही नहीं करता , ये मेरा स्टाइल ही नहीं है। बाकी मुझे लगता है कि कुछ फिल्में समय मांगती हैं और कई बार हो सकता है कि मुझे ये सलेक्ट करने में टाइम लग जाता है कि मुझे कौनसा प्रोजेक्ट करना है।

3 - क्या वजह है कि आजकल आप ग्रे शेड्स की तरफ बढ़ते जा रहें हैं ? खासतौर पर विशाल की फिल्मों में ?

मेरी बेटी भी कहती है कि श्पापा आप हमेशा ग्रे ही पहनते हैंश , मैं ग्रे किरदार तब से कर रहा हूँ जब ये फैशन में ही नहीं थे , जो किरदार मुझे अच्छा लगता है वो करता हूँ और जितना कोई किरदार अच्छा लगता है उतना ही उसे निभाना ,मुश्किल होता है। और जब तक मैं कुछ मुश्किल नहीं करूँगा तब तक आप मेरा बेस्ट कैसे देख पाएंगे।

4 - किसी किरदार का प्रभाव आपके ऊपर रहता है या नहीं ?

रहता है लेकिन आपको उसे डिस्कनेक्ट करना ही पड़ता है, जरूरी होता है। मैं बहुत बार देखता हूँ कि लोग बोलते हैं कि श्मैं थेरेपिस्ट के पास गया थाश तो ये सुनकर मुझे बहुत हंसी आती है। ऐसा नहीं होता प्रोफेशनल्स हैं हम। लोग इससे भी ज्यादा मुश्किल काम करते हैं और वो कभी नहीं कहते है कि उन्हें थेरेपिस्ट के पास जाना पड़ रहा है। वैसे भी मुझे ऐसा लगता है कि आपको कभी भी घर पर कोई बैगेज लेकर नहीं जाना चाहिए।

5 - रिलीज के पास फिल्म की सक्सेस या फेलियर आपको इफेक्ट करती है ? और अगर फिल्म ना चले तो ...

बिलकुल करती है। और अगर फिल्म ना चले तो एक स्टेप पीछे फिर दो स्टेप आगे बढ़ जाता हूँ। क्यूंकि जो आप फील करते हैं उसे आपको फील करने देना चाहिए। मायूसी को कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए। उसको फ्यूल की तरह इस्तेमाल करो , फीलिंग्स फ्यूल ही होती हैं अगर आप उसे चैनेलाइज करके आगे बढ़ते है तो अच्छा ही होता है। सीखना भी बहुत जरूरी होता है और थोड़ा हुमिलिटी होना भी चाहिए जिंदगी में क्यूंकि अगर सबकुछ आराम से चलने लगा तो आदमी खुद को भगवान समझने लगेगा।

6 - ओ रोमियो में आपके शरीर पर बहुत सारे टैटू बने हैं , उसके बारे में बताइये ...

इस फिल्म में मेरे फुल बॉडी टैटू थे , हर दिन इसे बनाने में 2 घंटे लगते थे , मैं शूटिंग के दौरान तृप्ति से भी ज्यादा टाइम लेता था रेडी होने में क्यूंकि वो तो आधे घंटे में रेडी होकर आ जाती थी। बाकी ये किरदार ही इतना स्ट्रांग है कि इसके ऊपर बहुत कुछ करना पड़ा।

7 - तृप्ति डिमरी के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा ?

बहुत अच्छा था। बहुत ही शानदार किरदार भी है उनका इस फिल्म में। दरअसल उन्ही के किरदार से फिल्म का प्लाट सेट होता है। इससे ज्यादा मैं कुछ बता भी नहीं सकता। और वैसे भी जब किसी फिल्म में मेल और फीमेल दोनों ही किरदार स्ट्रांग हों तो वो एक बहुत ही पॉजिटिव साइन होता है किसी भी लव स्टोरी के लिए। और जब कास्टिंग डिसकस भी हो रही थी तब भी पहला नाम तृप्ति का ही था क्यूंकि वो इस फिल्म के लिए एकदम परफेक्ट है। और उन्होंने काम भी बहुत अच्छा किया है।

रोहित शेट्टी गोलीबारी मामले में पुलिस को मिले अहम सुराग, मुख्य आरोपी को वाहन मुहैया कराने वाले तीनों गिरफ्तार

देर रात मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया। इस मामले में पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस को जांच में कुछ अहम सुराग मिले हैं। 'सिंघम' फ्रेंजाईजी की फिल्मों के लिए लोकप्रिय निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना ने इंडस्ट्री

में सबको झकझोर कर रख दिया है। इस मामले में पुणे पुलिस ने रविवार सुबह पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कई अहम सुराग मिले हैं। किसने मुहैया कराया मुख्य आरोपी को वाहन? मुंबई पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच की टीम ने रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी करने वाले जिन तीन आरोपियों की गिरफ्तारी दिखाई है, उन्होंने लॉजिस्टिक और व्हीकल (एक्टिवा) मुख्य शूटर को मुहैया कराया था। दरअसल, आज रविवार सुबह पुणे पुलिस और मुंबई पुलिस समेत क्राइम ब्रांच ने मिलकर पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इन पांच में से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य दो अभी भी हिरासत में है। 'पूरा मॉड्यूल बड़े गैंग से मिलता-जुलता है' इस पूरी वारदात को अंजाम देने में उनके रोल को वेरीफाई किया जा रहा है। मुख्य शूटर को लेकर अभी कोई औपचारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन पुलिस की माने तो यह पूरा मॉड्यूल बड़े गैंग से मिलता-जुलता है। घटना के वक्त घर पर मौजूद थे रोहित शेट्टी शनिवार देर रात डायरेक्टर रोहित शेट्टी के मुंबई के जूहू स्थिति घर के बाहर फायरिंग हुई। जिस समय यह फायरिंग हुई, उस वक्त रोहित शेट्टी घर के अंदर ही मौजूद थे। घटना के बाद जुहू पुलिस मौके पर पहुंच गई है। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग करने वाला आरोपी केवल एक ही था। पुलिस ने इस मामले में रोहित शेट्टी का बयान भी दर्ज किया है।

रश्मिका मंदाना ने फैंस को किया निराश, विजय देवरकोंडा संग शादी की खबरों को किया खारिज

साउथ स्टार्स विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना इन दिनों काफी चर्चा में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की खूब खबरें उड़ रही हैं। बीते दिन एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दावा किया जा रहा था कि विजय और रश्मिका 2 फरवरी को शादी के बंधन में जाएंगे। उदयपुर में दोनों की शादी की तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। वहीं, अब इन खबरों से परेशान होकर रश्मिका मंदाना ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक उनके रिपोर्टर ने रश्मिका से उनके शादी के बारे में पूछा तो एक्ट्रेस ने मना कर दिया और साफ इनकार कर दिया है कि 2 फरवरी को उनकी और विजय की शादी नहीं हो रही है। ऐसे में रश्मिका और विजय की शादी खबरों पर अब विराम लग गया है। गौरतलब है कि दोनों सितारों ने अब तक अपनी सगाई को भी सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री में यह चर्चा पहले से रही है कि 3 अक्टूबर 2025 को हैदराबाद में दोनों ने बेहद निजी समारोह में सगाई की थी, जिसे पूरी तरह सीक्रेट रखा गया। इससे पहले यह भी खबरें आई थीं कि उनकी शादी 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के किसी शाही महल में हो सकती है।

कृति सेनन ने अपने खास दोस्त का किया शुक्रिया, नूपुर की शादी के लिए डिजाइन किए थे कपड़े

कृति सेनन ने आज अपने खास दोस्त के लिए एक पोस्ट शेयर कर उनका धन्यवाद किया है। दरअसल, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर ने कृति की बहन नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की हिंदू शादी के लिए उनके पूरे परिवार को तैयार किए थे।

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने 10 जनवरी 2026 को सिंगर स्टेबिन बेन से शादी कर ली। यह शादी उदयपुर में बहुत खूबसूरती से हुई, जिसमें पहले क्रिश्चियन रस्में हुईं और फिर हिंदू रीति-रिवाज से भी विवाह पूरा हुआ। इस हिंदू शादी में सेनन परिवार के सभी सदस्यों के कपड़े फैशन डिजाइनर ने डिजाइन किए थे। जिनका शुक्रिया कृति ने अपनी एक खास पोस्ट के जरिए किया है। कृति का पोस्ट शादी में नूपुर बहुत सुंदर लग रही थीं। कृति और पूरा सेनन परिवार भी खूब सजा-धजा नजर आया। उन्होंने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के डिजाइन किए हुए कपड़े पहने थे। आज कृति ने इंस्टाग्राम

पर मनीष मल्होत्रा को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा कि मनीष ने पूरे परिवार को इतने प्यार और ध्यान से तैयार किया कि हर कोई बहुत खुश और आरामदायक महसूस कर रहा था। कृति ने आगे लिखा, 'दुल्हन से लेकर माता-पिता तक, सबके चेहरे पर खुशी साफ दिख रही थी। कृति ने कहा कि उनके मम्मी-पापा पहली बार मनीष मल्होत्रा का आउटफिट पहनकर बहुत खुश थे।' मनीष मल्होत्रा का पोस्ट मनीष मल्होत्रा ने कृति की इस पोस्ट पर जवाब देते हुए लाल दिल वाले इमोजी बनाया और लिखा, 'मेरी प्यारी कृति, मैं तुम्हें मॉडलिंग के दिनों से जानता हूं और तुम बहुत खास हो और तुम्हारा परिवार भी बहुत प्यारा है।

जश्न रियल्टी ने लखनऊ में 3,200 करोड़ के निवेश की घोषणा की, तेज डिलीवरी सर्वोच्च प्राथमिकता

लखनऊ, (संवाददाता)। जश्न रियल्टी ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें कंपनी के नेतृत्व ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी महत्वाकांक्षी विकास योजना साझा की। मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, जश्न रियल्टी, ने बताया कि कंपनी आगामी तीन वर्षों में रियल एस्टेट विकास क्षेत्र में लगभग 3,200 करोड़ का निवेश करने जा रही है। प्रेस वार्ता के दौरान श्री अग्रवाल ने कहा कि जश्न रियल्टी की विस्तार रणनीति उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और मिक्स्ड-यूज प्रोजेक्ट्स पर केंद्रित होगी, जो लखनऊ जैसे टियर-प्शहरों में बढ़ती मांग के अनुरूप हैं। उन्होंने शहर के तेजी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और बढ़ते निवेशकों के विश्वास को इस बड़े निवेश निर्णय के प्रमुख कारण बताया। राहुल अग्रवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि परियोजनाओं की तेज और समयबद्ध डिलीवरी कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, समय से पहले और तेज डिलीवरी अब केवल एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि हमारी प्रतिबद्धता है। जश्न रियल्टी में हम अपनी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ कर रहे हैं, निष्पादन टीमों को मजबूत बना रहे हैं और उन्नत निर्माण योजना को अपनाकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे प्रोजेक्ट्स तय समय से पहले ग्राहकों तक पहुँचें। कंपनी ने यह भी बताया कि आने वाले सभी प्रोजेक्ट्स में ग्राहक-केंद्रित डिजाइन, नियामकीय अनुपालन और पारदर्शी निष्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जश्न रियल्टी का लक्ष्य निर्माण गुणवत्ता, सुरक्षा और सतत विकास मानकों से समझौता किए बिना

बांग्लादेश की पूर्व PM शेख हसीना को 10 साल की जेल भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में मिली सजा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-4 के जज रबीउल आलम ने भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में 10 जेल की सजा सुनाई है। इसके साथ कोर्ट ने उनके परिवार के सदस्यों को भी सजा सुनाई है। बता दें कि, शेख हसीना पर जमीन आवंटन में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। बांग्लादेश की एक अदालत ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में कुल 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। ये मामले सरकार की एक आवासीय योजना में जमीन के आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े हैं। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-चार के जज रबीउल आलम ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोनों मामलों में शेख हसीना को पांच-पांच

साल की सजा दी। जमीन आवंटन में नियमों के उल्लंघन का आरोप ये मामले राजधानी ढाका के पास पूबाचौल इलाके में चल रही राजुक न्यू टाउन परियोजना से जुड़े हैं। आरोप है कि वहां दो 10-काठा के प्लॉट गलत तरीके से आवंटित किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को तोड़ा और जमीन आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर की। यह परियोजना राजधानी विकास प्राधिकरण (राजधनी उन्नयन कर्तृपक्खा) यानी राजुक के तहत आती है। परिवार के सदस्यों को भी सजा इन मामलों में शेख हसीना के साथ उनके परिवार के कई सदस्यों को भी दोषी ठहराया गया है। इसमें तुलिप सिद्दीकी को कुल चार साल की जेल, रदवान मुजीब सिद्दीकी और अजमीना सिद्दीकी को सात-सात साल की जेल की सजा मिली है। वहीं राजुक के सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम, जिन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण किया था, को दो साल की सजा मिली है। सभी दोषियों पर एक लाख टका जुमार्ना भी लगाया गया है। जुमार्ना न देने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। भारत में रह रही हैं शेख हसीना शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद वे देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इससे पहले अदालत उन्हें भगोड़ा भी घोषित कर चुकी है। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने दर्ज किए थे केस ये दोनों मामले बांग्लादेश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) ने दर्ज किए थे। आयोग का कहना है कि जमीन आवंटन में सत्ता का गलत इस्तेमाल किया गया और तय नियमों का उल्लंघन हुआ।

इस्त्राइल ने संघर्षविराम के तहत राफाह बॉर्डर को आंशिक रूप से खोला

तेल अवीव। इस्त्राइल ने संघर्षविराम समझौते के तहत राफाह क्रॉसिंग बॉर्डर को आंशिक रूप से खोल दिया है। बता दें कि, मई 2025 के बाद यह पहला मौका है जब राफाह क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला

गया है। वहीं दूसरी तरफ गाजा में इस्त्राइली ड्रोन हमले में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। इस्त्राइल ने रविवार को गाजा और मिस्त्र के बीच स्थित राफाह बॉर्डर क्रॉसिंग को आंशिक रूप से फिर से खोलने का एलान किया है। यह क्रॉसिंग फिलहाल ट्रायल आधार पर खोली गई है और सिर्फ सीमित संख्या में गाजा के लोगों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। मई पिछले साल के बाद यह पहला मौका है जब राफाह क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला गया है। 'संघर्षविराम समझौते के तहत लिया गया फैसला' इस्त्राइल की सैन्य एजेंसी सीओजीएटी के अनुसार, यह फैसला संघर्षविराम समझौते के तहत लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से कुछ लोग इस रास्ते से आना-जाना शुरू कर सकते हैं। इसके लिए एक नई जांच (स्क्रीनिंग) सुविधा भी तैयार की गई है, जहां से गुजरने वाले लोगों की जांच होगी। 'गाजा छोड़ने वाले फलस्तीनी लौटना चाहते हैं' गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि युद्ध के दौरान विस्थापित हुए हजारों फलस्तीनी इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल-थवाब्ता के मुताबिक, करीब 80,000 फलस्तीनी ऐसे हैं जो युद्ध के समय गाजा छोड़ गए थे और अब वापस लौटना चाहते हैं। गाजा में टरक्र्के काम पर इस्त्राइल ने लगाई रोक इस बीच, इस्त्राइल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) को गाजा में काम करने से रोकने का फैसला भी किया है। इस्त्राइल का कहना है कि एमएसएफ ने अपने फलस्तीनी कर्मचारियों की पूरी जानकारी नहीं दी। यह नियम सभी मानवीय संगठनों पर लागू किया गया है। इस फैसले की संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने आलोचना की है। दो इलाकों में ड्रोन हमले, दो की मौत वहीं दूसरी ओर, गाजा में सैन्य कार्रवाई जारी है। रविवार को राफाह शहर के उत्तर-पश्चिम इलाके में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। इसके अलावा मध्य गाजा के वाड़ी गाजा इलाके में भी एक ड्रोन हमले में एक फलस्तीनी मारा गया।

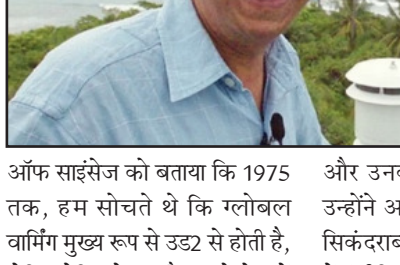

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क में विरोध एपस्टीन विवाद से जुड़ा है मां मीरा नायर का नाम

नई दिल्ली। एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सामने आने के बाद न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर विरोध झेलना पड़ा। दस्तावेजों में उनकी मां, फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम 2009 की एक ईमेल में दर्ज है। प्रदर्शनकारियों ने समर्थन के बावजूद धोखा देने का आरोप लगाया। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर कुछ लोगों के विरोध

और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। यह घटना अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने के बाद सामने आई, जिनमें उनकी मां और मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम एक ईमेल में दर्ज है। मेयर के आधिकारिक आवास ग्रेस मैंशन के बाहर जुटे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने ममदानी का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें धोखा महसूस हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने आपके लिए वोट किया, आपके लिए आवाज उठाई लेकिन आपने हमसे झूठ बोला। क्या है मामला? यह विवाद 21 अक्तूबर 2009 की एक ईमेल से जुड़ा है, जो अमेरिकी पब्लिसिस्ट पेगी सीगल द्वारा भेजी गई थी। ईमेल में दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में आयोजित एक फिल्म स्क्रीनिंग के बाद हुए आफ्टर पार्टी का जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, उस कार्यक्रम में बिल क्लिंटन, जेफ बेजोस, जीन पिगोजी और निर्देशक मीरा नायर सहित कई हाई-प्रोफाइल लोग मौजूद थे। ईमेल में फिल्म का नाम नहीं दिया गया, लेकिन संदर्भ 2009 में रिलीज मीरा नायर की फिल्म अमेलिया से जोड़ा जा रहा है, जिसमें हिलेरी स्वैंक और रिचर्ड गेरे ने अभिनय किया था। एपस्टीन फाइल्स का नया खुलासा बीते शुक्रवार को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड्स का एक बड़ा नया सेट सार्वजनिक किया। यह रिलीज एपस्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत हुई, जिस पर 19 नवंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे। नए दस्तावेजों में 30 लाख से अधिक पेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। ये रिकॉर्ड्स फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के मामलों, मैक्सवेल के खिलाफ केस, एपस्टीन की मौत की जांच, एफबीआई और इंस्पेक्टर जनरल की जांचों सहित कई स्त्रोतों से जुटाए गए हैं। ममदानी का राजनीतिक सफर 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने 1 जनवरी को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का पद संभाला। उन्होंने चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्र्यू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। वे शहर के सबसे युवा और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी ने एरिक एडम्स का स्थान लिया, जिन्होंने सितंबर में पुनर्निर्वाचन की दौड़ से नाम वापस ले लिया था, हालांकि वे बैलेट पर बने रहे।

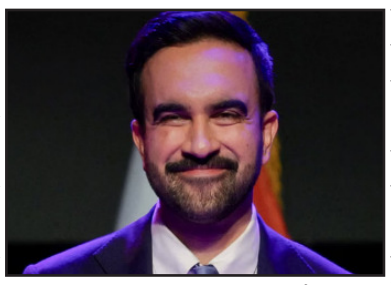

भारतीय वैज्ञानिक रामनाथन को मिलेगा क्रैफोर्ड प्राइज

वॉशिंगटन डीसी। भारतीय मूल के वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को 2026 का प्रतिष्ठित क्रैफोर्ड पुरस्कार मिला है। इसे जियोसाइंसेज का नोबेल माना जाता है। उन्होंने क्लोरोफ्लोरोकार्बन (उत्र्क्ष्२) और प्रदूषण के जलवायु पर असर को लेकर महत्वपूर्ण खोज की है। उनकी रिसर्च ने ग्लोबल वार्मिंग को समझने और पर्यावरण बचाने की अंतरराष्ट्रीय संधियों में बड़ी भूमिका निभाई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भारतीय मूल के जलवायु वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को 2026 के क्रैफोर्ड पुरस्कार के लिए चुना है। इस सम्मान को जियोसाइंसेज का नोबेल भी कहा जाता हैं। रामनाथन को यह पुरस्कार प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों और वायुमंडल के 'ब्राउन क्लाउड्स' पर उनके दशकों पुराने शोध के लिए मिला है। उनके काम ने ग्लोबल वार्मिंग को समझने का नजरिया बदल दिया है। इन क्षेत्र में हासिल की है बड़ी उपलब्धि 82 साल के रामनाथन ने 1975 में नासा में काम करते हुए एक बड़ी खोज की थी। रामनाथन ने रॉयल स्वीडिश एकेडमी

ऑफ साइंसेज को बताया कि 1975 तक, हम सोचते थे कि ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से उड2 से होती है, लेकिन रेफ्रिजरेटर और एयरोसोल में इस्तेमाल होने वाली क्लोरो फ्लोरोकार्बन (उत्र्क्ष्२) गैसें कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले 10,000 गुना ज्यादा प्रभावी ढंग से ऊष्मा को अवशोषित करते हैं। इस खोज से पहले लोग मानते थे कि ग्लोबल वार्मिंग सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड से होती है। भारत से क्या है ताल्लुक रामनाथन का जन्म मदुरै में हुआ और उनकी पढ़ाई चेन्नई में हुई। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत सिकंदराबाद की एक फ्रिज फैक्ट्री में इंजीनियर के रूप में की थी। यहीं उन्होंने पहली बार इन गैसों पर काम किया। बाद में उन्होंने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से डिग्री हासिल की। उन्होंने 'इंडियन ओशन एक्सपेरिमेंट' के जरिए दक्षिण एशिया के ऊपर प्रदूषण की काली परतों (ब्राउन क्लाउड्स) की पहचान की। उनकी इस स्टडी ने वायु प्रदूषण को कमजोर भारतीय मानसून और हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से जोड़ा। स्टॉकहोम में होंगे सम्मानित फिलहाल वह कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दुनिया के बड़े नेताओं और वेटिकन को भी सलाह दी है। उनके शोध ने 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल' जैसी अंतरराष्ट्रीय संधियों को मजबूत बनाया, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गैसों पर रोक लगी। इस पुरस्कार में उन्हें स्वर्ण पदक और करीब नौ लाख डॉलर (आठ मिलियन स्वीडिश क्रोनर) की राशि मिलेगी। यह सम्मान मई 2026 में स्टॉकहोम में एक समारोह में दिया जाएगा।

पार्टी में नहीं गया, कुछ भी गलत नहीं किया, एपस्टीन फाइल में नाम आने पर मस्क ने तोड़ी चुप्पी

वॉशिंगटन। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को एपस्टीन फाइल्स से जुड़े और डॉक्यूमेंट्स जारी किए, जिसमें 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 तस्वीरें शामिल हैं। जारी किए दस्तावेजों कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने

आए हैं, जिसने में से एक फाइल्स में एलन मस्क का नाम भी शामिल है, जिस पर अब उन्होंने चुप्पी तोड़ी है। 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 फोटो के साथ जारी होने वाली एपस्टीन फाइल्स की खेप ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी है। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अमेरिका के कई दिग्गजों के संबंध उजागर हुए हैं। जिसमें एलन मस्क का नाम भी शामिल है। जिस पर टेस्ला के मालिक और टेक इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज अरबपति ने जेफरी एपस्टीन से किसी भी तरह के रिश्ते से साफ इनकार किया है। एलन मस्क ने तोड़ी चुप्पी, अपना नाम आने दी सफाई एलन मस्क ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वो कभी जेफरी एपस्टीन की पार्टियों में नहीं गए और ना उनका कोई संबंध है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मस्क ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी। सोमवार को किए अपने पोस्ट में मस्क ने कहा कि वह कभी भी एपस्टीन के प्राइवेट द्वीप पर नहीं गए, न ही उनके लोलिता एक्सप्रेस विमान में सफर किया और न ही उनकी पार्टियों में शामिल हुए। अपने पोस्ट में मस्क ने क्या लिखा? अपने एक्स पोस्ट में एलन मस्क ने कहा, 'एपस्टीन फाइलों की पूरी तरह सार्वजनिक करने और बच्चों का शोषण करने वालों पर मुकदमा चलाने के लिए मुझसे ज्यादा संघर्ष किसी ने नहीं किया, यह जानते हुए भी कि मुख्यधारा का मीडिया, धुर-वामपंथी प्रचारक और जो वास्तव में दोषी हैं, वे कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे, सब कुछ नकार देंगे, मुझ पर ही आरोप लगाएंगे।' 'ना कभी पार्टियों में गया और ना कभी उस आईलैंड पर कदम रखा' मस्क ने आगे कहा कि, 'मुझे पता था कि मुझे लगातार बदनाम किया जाएगा, जबकि मैंने कभी उसकी (जेफरी एपस्टीन) पार्टियों में शिरकत नहीं की, न ही उसके 'लोलिता एक्सप्रेस' विमान में सफर किया, न ही उसके उस 'घिनौने' द्वीप पर कदम रखा और न ही कोई गलत काम किया। फिर भी मुझ पर लगे उन आरोपों का असहनीय दर्द सहना सार्थक था, जो मेरे व्यक्तित्व के बिल्कुल विपरीत थे। ताकतवर लोगों को उनकी रक्षा करनी चाहिए, जो अपनी रक्षा नहीं कर सकते, विशेषकर कमजोर बच्चों की। बच्चों की रक्षा करने और उन्हें खुशहाल जीवन जीने का मौका देने के लिए मैं भविष्य में किसी भी तरह का दर्द सहने को तैयार हूं।' एपस्टीन फाइल्स में मस्क को लेकर क्या दावा? बता दें कि 30 जनवरी को जारी किए गए डॉक्यूमेंट्स में कई बार मस्क का नाम आया है। खासकर 2012 और 2013 के ईमेल अदला-बदली में, जिसमें उन्होंने एपस्टीन के बदनाम कैरेबियन आइलैंड कंपाउंड में जाने के बारे में बात की थी। हालांकि यह साफ नहीं है हुआ कि मस्क का आइलैंड पर जाना हुआ था या नहीं।

ईरान ने यूरोपीय संघ के राजदूतों को किया तलब रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी घोषित करने पर जताया विरोध

तेहरान। ईरान ने यूरोपीय संघ के राजदूतों को बुलाकर रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी घोषित करने का विरोध किया है। यह तनाव ईरान में प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के बाद बढ़ा है। अमेरिका ने क्षेत्र में युद्धपोत तैनात किए हैं, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई और सैन्य अभ्यास की चेतावनी दी है। ईरान और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के राजदूतों को तलब किया है। ईरान ने यह कदम यूरोपीय संघ के उस फैसले के विरोध में उठाया है, जिसमें उसने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने ईयू के इन फैसले पर

अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की। ईरान का कहना है कि यूरोपीय संघ का यह फैसला पूरी तरह से गलत और उकसाने वाला है। टकराव का खतरा बरकरार यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमले का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाजों को मिडिल ईस्ट भेज दिया है। ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हुई कड़ी कार्रवाई और फांसी की आशंकाओं के बीच अमेरिका ने यह सैन्य तैनाती की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बल प्रयोग करेंगे या नहीं। इस बीच, क्षेत्र के अन्य देश युद्ध रोकने के लिए कूटनीति का सहारा ले रहे हैं। क्या है मामला? यूरोपीय संघ ने पिछले हफ्ते रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी सूची में डाला था। इसका मुख्य कारण जनवरी में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलना बताया गया। इन प्रदर्शनों में हजारों लोग मारे गए और हजारों को हिरासत में लिया गया। अमेरिका और कनाडा पहले ही इस संगठन को आतंकी घोषित कर चुके हैं। हालांकि यह फैसला काफी हद तक प्रतीकात्मक है, लेकिन इससे ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा, क्योंकि वहां की अर्थव्यवस्था में इस गार्ड का बहुत बड़ा प्रभाव है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्या कहा? ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने बताया कि राजदूतों को बुलाने की प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गई थी। उन्होंने कहा कि ईरान इस अवैध और गलत कदम का जवाब देने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। जल्द ही जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा। वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर ने 2019 के एक कानून का हवाला देते हुए कहा, अब ईरान भी यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी समूह मानेगा। अमेरिकी ने दी चेतावनी रिवोल्यूशनरी गार्ड ईरान की 1979 की इस्लामिक क्रांति से एक ऐसी ताकत के रूप में उभरा था, जिसका मकसद शिया मौलवी-पर्यवेक्षित सरकार की रक्षा करना था। बाद में इसे संविधान में शामिल किया गया। आज यह ईरान की नियमित सेना के बराबर शक्तिशाली है। इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू किया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिकी ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले।

39 वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की दौड़ में आगे मतगणना में मिली बढ़त

कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव के शुरूआती परिणाम आने लगे हैं। इसके अनुसार दक्षिणपंथी, कानून-व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने मजबूत बढ़त बना ली है। आइए जानते हैं किसे कितने फीसदी वोट मिले। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी कानून-व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने शुरूआती दौर में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुरूआत परिणामों के मुताबिक, प्रारंभिक मतगणना के आधार पर रविवार देर रात तक 31 प्रतिशत मतदान केंद्रों से प्राप्त मतों की गिनती से पता चला कि सत्तारूढ़ सॉवरेन पीपुल्स पार्टी (पीपीएसओ) की फर्नांडीज ने 53.01 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जिससे वह शुरूआती दौड़ में आराम से आगे चल रही हैं। पूर्व प्रथम महिला तीसरे नंबर पर रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर मध्य-वामपंथी नेशनल लिबरेशन पार्टी के अल्वारो रामोस 30.05 प्रतिशत वोटों के साथ रहे। वहीं, पूर्व प्रथम महिला क्लाउडिया डोबल्स 3.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इन आंकड़ों के साथ, फर्नांडीज को अब स्पष्ट जीत हासिल करने और 5 अप्रैल को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव से बचने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। उनकी लोकप्रियता में यह उछाल ऐसे समय आया है जब 39 वर्षीय राजनेता मौजूदा राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस के चुने हुए उत्तराधिकारी के रूप में चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके कड़े सुरक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने का वादा कर रही हैं। हाल के वर्षों में परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण रहे मध्य अमेरिकी देश में अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा कई मतदाताओं के लिए एक निर्णायक मुद्दा बन गई है। अल जजीरा के अनुसार, जहां कुछ लोग हिंसा पर अंकुश लगाने में विफल रहने के लिए चावेज प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। वहीं अन्य लोग उनके टकरावपूर्ण दृष्टिकोण को व्यवस्था बहाल करने का सबसे मजबूत विकल्प मानते हैं। 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव फर्नांडीज ने खुद को चावेस के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ लिया है, क्योंकि उन्होंने पहले उनकी राष्ट्रीय योजना और आर्थिक नीति मंत्री के रूप में और बाद में राष्ट्रपति पद की मंत्री के रूप में कार्य किया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ, कोस्टा रिका के लोगों ने 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चावेज की पार्टी को बढ़त मिलने की उम्मीद है, हालांकि हो सकता है कि उसे चावेज और फर्नांडीज द्वारा अपेक्षित बहुमत न मिले, जिससे उनके गुट को अन्य शक्तियों के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा। अगर 20 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, लेकिन प्रारंभिक और आंशिक परिणामों से पता चला कि फर्नांडीज और रामोस के अलावा कोई भी उम्मीदवार 5 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

बलूचिस्तान में हिंसा तेज महिला फिदायीन हमले में पाकिस्तानी सेना-पुलिस के 200+ जवान हताहत

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों, पुलिस और फ्रंटियर कोर के कर्मियों मार गिराया है। बीएलए के अनुसार, उसके इस ऑपरेशन में महिला फिदायीनों ने अहम भूमिका निभाई है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आंकड़ों से अलग आंकड़े कबूल हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसका एक बड़ा सैन्य अभियान 'ऑपरेशन हीरोफ फेज-क्क' 40 घंटे से ज्यादा समय तक चला। इस दौरान कई जिलों में हमले किए गए और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाया गया। बीएलए का क्या है दावा? बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जीयंद बलोच के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना, पुलिस और फ्रंटियर कोर के 200 से ज्यादा जवान मारे गए हैं। जबकि 17 लोगों को पकड़ा गया हैं। उन्होंने आगे बताया कि बीएलए की तरफ से करान, मस्तुंग, तुंप और पसनी जैसे इलाकों में अभियान पूरा किया गया, इसके साथ ही क्वेटा और नोश्की के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना को पीछे धकेला गया है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। इछअ के हमले पर सरकार और सेना की सफाई बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि बलोचों के हमलों में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना के अनुसार, शुक्रवार को 41 और शनिवार को 92 उग्रवादी मारे

गए हैं। महिला आत्मघाती हमलावरों की भूमिका इस अभियान की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि महिला फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) भी शामिल थीं। आसिफा मेंगल ने नोश्की में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) मुख्यालय को निशाना बनाकर कार बम से हमला किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917
मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।